तापमान
अधिकतम 35 .6 डिग्री
न्यूनतम 15 .7 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 6 अप्रैल, 2025

10 लोगों में फिजियोथैरेपी के प्रति बढ़ रही जागरूकता...

10 सिसाय की बेटी ने मुक्केबाजी में जीता स्वर्ण पदक

खबर संक्षेप

हांसी को जिला बनाने की मांग को धरना 9 को

हांसी। हांसी को जिला बनाने की मांग को लेकर हांसी जिला बनाओ समिति 9 अप्रैल को सांकेतिक धरना देगी। यह जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष राम निवास फौजी ने कहा है कि त्रिकोणा पार्क में दिए जाने वाले सांकेतिक धरना विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा किए गए वायदा को याद दिलाने के लिए दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार व नायब सिंह सैनी को दोबारा मुख्यमंत्री बने हुए 6 महीने से भी अधिक समय हो चुका है। लेकिन उनके हांसी को जिला बनाने की कही गई बात आज भी अधूरी है।

प्रधान रमेश चुघ ने पद से दिया इस्तीफा

हिसार। पुष्पा कॉम्प्लेक्स वेलफेयर सोसायटी प्रधान रमेश चुघ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने निजी कारणों के चलते यह निर्णय लिया है। रमेश चुघ ने कहा कि पिछले नौ महीनों में उन्होंने कॉम्प्लेक्स के दुकानदारों के सहयोग से अनेक समस्याओं का समाधान करवाने में सफलता हासिल की, जिसके चलते पुष्पा कॉम्प्लेक्स में सफाई व्यवस्था, सीवरेज व्यवस्था लाइटिंग व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने सहयोग देने के लिए कॉम्प्लेक्स के सभी दुकानदारों का आभार व्यक्त किया है।

रोहित बने प्रधान व भूपेश सोनी बने सचिव

हिसार। डीएन कॉलेज में स्टूडेंट फैडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की नई इकाई का गठन किया गया है। यह गठन डीएन कॉलेज में छात्र हितों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों की आवाज को बुलंद करने के उद्देश्य से किया गया है। एसएफआई डीएन कॉलेज की नवगठित इकाई के सचिव मंडल में प्रधान-रोहित, सचिव भूपेश सोनी, उपप्रधान ललित रंगा व पंकज, सह-सचिव-हिमांशु व सुशील आदि रहे।

हरियाणा एक्स सर्विसीज का वार्षिक सम्मेलन आज

हिसार। हरियाणा एक्स सर्विसेज लीग का वार्षिक सम्मेलन 6 अप्रैल को सुबह 10:30 बजे से 2 बजे तक मनवार बैंक्विट हॉल, नजदीक गोदारा पेट्रोल पम्प आजाद नगर में आयोजित किया जाएगा। हिसार लीग के प्रधान सूबेदार कृष्ण गोदारा ने बताया कि सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रुप में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा उपस्थित होंगे। संघ के उपप्रधान जे. डब्लू. ओ. राजेन्द्र गोदारा ने बताया कि वार्षिक सम्मेलन में सैनिकों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी व समाधान के लिए जिला सैनिक बोर्ड, डीपीडीओ, तथा हिसार कैंट से अधिकारी तथा कर्मचारी भी शामिल होंगे।

सुल्फा सप्लाई करने वाला सप्लायर गिरफ्तार

हांसी। एंटी नारकोटिक सेल पुलिस ने 485 ग्राम सुल्फा सप्लाई करने वाले असल सप्लायर दौलतपुर रोड़ बरवाला निवासी प्रवीन को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता के जानकारी अनुसार आरोपी ने कुछ दिन पहले मिर्चपुर निवासी टिंकू व कापड़ो निवासी संदीप को 485 ग्राम सुल्फा सप्लाई किया था। एंटी नारकोटिक्स सैल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर किया है।

आईपीएल में सट्टा लगवाते तीन गिरफ्तार

नारनौंद। सीआईए स्टाफ पुलिस ने आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टा लगवाते हुए तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 2 लाख 40 हजार रुपए की नकदी बरामद हुई है। आईपीएल क्रिकेट मैच सट्टा लगा रहे आरोपियों की पहचान बास बादशाहपुर निवासी जोगेंद्र, संजय व नवीन के रूप में हुई है। गांव बास बादशाहपुर खेत में बने एक मकान के ऊपर बने चौबारे में कुछ लोग मैच पर सट्टा लगवा रहे थे।

हम सब को मिलकर नशा मुक्त हरियाणा बनाने का लेना होगा संकल्प: सीएम

हरियाणा साइक्लोथॉन 2.0 के आगाज पर युवाओं में दिखाई दिया भारी उत्साह

हिसार। हरियाणा साइक्लोथॉन 2.0 में अभिवादन करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व हरियाणा साइक्लोथॉन 2.0 में हिस्सा लेने के लिए उमड़ा जन सैलाब।

फिरोजाशाह नगरी में नशे के खिलाफ जंग में उमड़ा जन सैलाब, चुनौती बनकर उभर रही नशे की लत, समय रहते रोकथाम जरूरी: नायब सैनी

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा साइक्लोथॉन 2.0 का शनिवार को भव्य आगाज हुआ। नशे के खिलाफ जंग में युवाओं को जोश देखने लायक था। जब मुख्यमंत्री नायब सैनी स्वयं साइकिल चलाकर युवाओं के बीच पहुंचे तो साइक्लोथॉन 2.0 के प्रतिभागियों का जोश एकदम से डबल हो गया।

साइक्लोथॉन 2.0 को रवाना करने के लिए बनाए गए मंच से सामने की तरफ जहां तक नजर जाती, बस प्रतिभागियों का जन सैलाब दिखाई पड़ता। प्रतिभागियों में दिखे जोश और उत्साह को देखते मंच से मुख्यमंत्री ने कहा कि नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवाओं और किशोरों को नशे से बचाने के लिए सरकार ने राज्य कार्य योजना शुरू की है।

इस योजना के तीन पहलू हैं। पहला जन जागरूकता अभियान, दूसरा नशा मुक्ति व पुनर्वास और तीसरा नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई।

सीएम ने कहा कि नशे की लत आज एक चुनौती बनकर उभर रही है। कई बार फैशन की खातिर या दोस्तों के उकसाने पर युवा नशे की लत का शिकार हो जाता है। नशीले पदार्थ केवल सेहत के लिए ही नहीं बल्कि पूरे समाज और देश के लिए भी घातक होते हैं। नशे की वजह से छोटे अपराधों से लेकर हथियारों की तस्करी और पैसे के अवैध लेनदेन जैसे बड़े अपराध भी हो रहे हैं। यह एक गंभीर समस्या है। इसलिए हम सब को मिलकर नशा मुक्त हरियाणा बनाने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ इस मुहिम में ग्राम पंचायत और सरपंचों की भी सहभागिता सुनिश्चित की है ताकि हर गांव से नशे को जड़ से खत्म कर सकें।

साइक्लोथॉन प्रदेश में नशे के खिलाफ अलख जगाने का करेगी काम: रणबीर गंगवा

इस मौके पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि आज हिसार से यह जो मुहिम की शुरुआत हुई है, ये प्रदेश में नशे के खिलाफ एक अलख जगाने का काम करेगी। इस साइक्लोथॉन में भागीदारी कर रहे युवा, बुजुर्ग और बेटियां प्रदेश के कोने-कोने में जाकर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करेंगे।

नशा खत्म कर हम मजबूत हरियाणा बनाने में कामयाब होंगे: कृष्ण बेदी

सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अंत्योदय मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि युवाओं के सहयोग से हरियाणा से जड़मूल से नशा खत्म कर हम मजबूत हरियाणा बनाने में कामयाब होंगे। यह साइक्लोथॉन इस दिशा में एक प्रयास है जो युवाओं को नशे से बचाएगा।

गीतों पर जमकर झूमे युवा

कार्यक्रम में जब मशहूर सिंगर आजाद सिंह खांडा खेड़ी, सुभाष फौजी, नवीन पुनिया, प्रदीप बूरा, पूजा हुड्डा, सुंदर सिंह सागर सहित सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के कलाकार पहुंचे तो माहौल जोश से लबरेज हो गया। कलाकारों ने लोगों का अभिवादन किया और नशा मुक्ति पर अपनी प्रस्तुतियां दी। उपस्थितजनों ने तालियों की गडग़ड़ाहट से अपने लोकप्रिय कलाकारों की हौसला अफजाई की। कलाकारों ने अपने गीतों के माध्यम से नशा मुक्त हरियाणा का संदेश दिया और साइक्लोथॉन के महत्व पर प्रकाश डाला।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर हिसार विधायक सावित्री जिंदल, हांसी विधायक विनोद भयाना, नलवा विधायक रणधीर पनिहार, स्वामी चिन्मयानंद, हिसार मेयर प्रवीण पोपली, भाजपा जिलाध्यक्ष हिसार आशा खेदड़, भाजपा जिलाध्यक्ष हांसी अशोक सैनी, पूर्व मंत्री अनूप धानक, पूर्व चेयरमैन सतबीर सिंह वर्मा एवं जिला प्रशासन की तरफ से उपायुक्त अनीश यादव, वरिष्ठ आईपीएस आईपीएस पंकज नैन, हिसार पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज, एडीसी सी. जयाश्रद्धा, एएसपी प्रतीक गहलोत, हांसी एसडीएम राजेश खोथ, हिसार एसडीएम ज्योति मित्तल, बरवाला एसडीएम डॉ. वेदप्रकाश बैनीवाल, सीईओ जिला परिषद हरबीर सिंह सहित हजारों प्रतिभागी उपस्थित रहे।

हांसी। सुल्तानपुर में साइक्लोथॉन यात्रा का स्वागत करते विधायक विनोद भयाना।

साइक्लोथॉन का सुल्तानपुर में पुष्प वर्षा से स्वागत हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

- विधायक विनोद भयाना तथा पुलिस अधीक्षक भी साइकिल पर सवार होकर यात्रा में शामिल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा शनिवार सुबह हिसार से हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई राज्य स्तरीय साइक्लोथॉन यात्रा करीबन डेढ़ घंटे के बाद हांसी हलके के उमरा-सुल्तानपुर गांव पहुंची। यहां विधायक विनोद भयाना की अगुवाई में सैकड़ों लोगों ने साइक्लोथॉन यात्रा में शामिल साइकिल सवारों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा तथा उपमंडल प्रशासन के कई अधिकारी तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। साइक्लोथॉन यात्रा के दौरान विधायक विनोद भयाना तथा पुलिस अधीक्षक भी साइकिल पर सवार होकर यात्रा में शामिल। इस दौरान उन्होंने काफी देर तक यात्रा का नेतृत्व किया।

हिसार। साइक्लोथोन 2.0 में हिस्सा लेने पहुंचे प्राचार्य डॉ. कपेंद्र सिंह व अन्य स्टाफ सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

जाट कॉलेज ने साइक्लोथॉन 2.0 में लिया हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

- महाविद्यालय के 250 प्रतिभागियों ने नोडल अधिकारी डॉ राकेश के नेतृत्व में भाग लिया

छाजूराम मैमोरियल जाट कॉलेज के प्राध्यापकों, नॉन टीचिंग स्टाफ के सदस्यों तथा विद्यार्थियों ने नशा मुक्त हरियाणा अभियान के तहत साइक्लोथोन 2.0 में भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ कपेन्द्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आह्वान पर प्रदेश भर के लोग इस अभियान में विशेष दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इसी कड़ी में आयोजित साइकिल रैली में महाविद्यालय के 250 प्रतिभागियों ने नोडल अधिकारी डॉ राकेश के नेतृत्व में भाग लिया।

अग्रोहा टीले की पूरी खुदाई में बेशुमार कीमती समान जरूर मिलेगा : गर्ग

- अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने अग्रोहा टीले की खुदाई का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। अग्रोहा टीले का निरीक्षण करते अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग व अन्य पदाधिकारी।

वैश्य समाज के प्रतिनिधियों की मीटिंग अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग उपरांत अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने अग्रोहा प्राचीन टीलें पर खुदाई के काम का निरीक्षण किया और भारतीय पुरातत्व विभाग चंडीगढ सर्कल के उपनिदेशक डिप्टी डायरेक्टर डॉ. बनानी भट्टाचार्य व डा. अंकित प्रधान से टीलें की खुदाई की जानकारी ली और खुदाई 6 फूट तक हो चुकी है।

बजरंग गर्ग ने टीलें की खुदाई का निरीक्षण करने पर कहा कि अग्रोहा प्राचीन टीला जो पहले 125 एकड़ में महाराजा अग्रसेन का महल होता था। अग्रोहा टीलें में महाराजा अग्रसेन जी की यादें जुड़ी हुई है। टीलें की खुदाई में बेसुमार कीमती समान मिलेगा जबकि 23 दिन की टीलें की खुदाई में अनेकों साम्रगी मिली है। यहां तक की 28 ईंटों की दीवारें, पत्थर, मनके की माला, सीढियां, मिटी के खिलौने, कुलड, बर्तन, कलाकृति पत्थर आदि समान मिलने से सिद्ध हो जाता है कि खुदाई में बेशुमार कीमती समान मिलेगा।

इस अवसर पर पवन गर्ग, अनिल सिंगला, एनके गोयल, ईश्वर गोयल, ईश्वर असरावा, रवि सिंगला, प्रेम गोयल, महेश अग्रवाल मथुरा, अखिल गर्ग , संदीप सिंह, हरीश शर्मा, महेंद्र शर्मा, सुनील कुमार, विष्णु कुमार आदि प्रतिनिधि भारी संख्या में मौजूद थे।

रामनिवास राड़ा मजबूत नेता, उनके भाजपा में आने से पार्टी को मिली मजबूती : सीएम

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रामनिवास राड़ा के आवास पर किया जलपान

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अपने हिसार दौरे के दौरान भाजपा नेता रामनिवास राड़ा के आवास पर जलपान के लिए पहुंचे। रामनिवास राड़ा ने मुख्यमंत्री के उनके आवास पर पहुंचने पर पुष्प गुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। तत्पश्चात प्रभु श्रीराम का विशेष पटका ससम्मान पहनाया व स्मृति चिन्ह के रूप में विशाल व भव्य विजयी रथ भेंट किया। सीएम ने रामनिवास राड़ा की प्रशंसा करते हुए कहा कि रामनिवास राड़ा हिसार में एक मजबूत नेता हैं और उनके आने से हिसार में भाजपा को और मजबूती मिली है। उन्होंने राड़ा की पीठ थपथपाते हुए कहा कि वे न केवल राजनीतिक रूप से सक्रिय हैं बल्कि सामाजिक कार्यों में भी अपना पूरा योगदान देते हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक विनोद भयाणा, रणधीर पनिहार, प्रदेश सचिव कैप्टन भूपेंद्र, जिलाध्यक्ष आशा खेदड़ व अशोक सैनी, जिला महामंत्री, संजीव रेवड़ी सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर उनके साथ उनके बड़े भाई बिहारी लाल राड़ा व उनके अनेक साथी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को स्मृति चिन्ह देते रामनिवास राड़ा व उनके बड़े भाई बिहारी लाल राड़ा। *फोटो: हरिभूमि*

मंडी आदमपुर। जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनते विधायक व सेवानिवृत्त आईएएस चंद्रप्रकाश। *फोटो: हरिभूमि*

विधायक चंद्रप्रकाश ने लगाया जनता दरबार

मंडी आदमपुर। विधायक व सेवानिवृत्त आईएएस चंद्रप्रकाश ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जनता दरबार आयोजित करके हलकावासियों की समस्याएं सुनी और बहुत सी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। अन्य समस्याओं के संदर्भ में संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आदमपुर में निर्माणाधीन हाई स्कूल रोड का निरीक्षण करके त्वरित गति से कार्य करने का भी निर्देश दिया। इस दौरान काफी संख्या में हलकावासी उपस्थित रहे। जनता दरबार में सडक़, सीवरेज व जलापूर्ति से संबंधित समस्याएं सामने आई। विधायक चंद्रप्रकाश ने स्पष्ट किया कि उन्होंने आदमपुर हलके में विकास कार्य जल्द करवाने संबंधी मांग विधानसभा में बजट सत्र के दौरान रखी है।

हिसार कोर्ट में ड्यूटी पर जा रहे थे एक महिला सहित तीन कर्मचारी

नेशनल हाईवे पर चलती कार बनी आग का गोला

- चालक की सावधानी से बड़ा हादसा टला

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हिसार रोड़ स्थित एनएच-10 के समीप शनिवार सुबह करीब 9 बजे एक चलती कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपने चपेट में ले लिया और देखते ही देखते गाड़ी जलकर राख हो गई। लेकिन गनिमत रही कि गाड़ी में आग लगने से पहले इंजन में से धुआं निकलता देख चालक ने गाड़ी को सड़क किनारे रोक दिया और समय रहते कार में सवार एक महिला सहकर्मी सहित तीनों कर्मचारी कार की खिड़की खोल नीचे उतर गए। राजमार्ग पर कार में आग लगने की सूचना मिलने पर पुलिस व दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद कार में लगी आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि गाड़ी में सवार एक महिला सहित तीनों लोग समय रहते गाड़ी से बाहर निकल आए और उन्हें किसी प्रकार की चोट नहीं आई। राजकुमार ने बताया कि गनीमत रही कि उसने समय रहते कार के इंजन से धुआं निकलता देख लिया और गाड़ी को सड़क किनारे रोक तुरंत नीचे उतर गए। अन्यथा हादसा बड़ा हो सकता था।

हांसी। राष्ट्रीय राजमार्ग पर आग लगने के बाद जली हुई कार। *फोटो: हरिभूमि*

अचानक उनकी गाड़ी के इंजन से निकला धुआं

मामले की जानकारी देते हुए कार मालिक रुप नगर कॉलोनी निवासी राजकुमार ने बताया कि वह शनिवार सुबह करीब 8.45 बजे अपने घर से एक महिला सहित दो सहकर्मियों के साथ अपनी कार में सवार होकर हिसार कोर्ट में ड्यूटी पर जा रहे थे कि जैसे ही उनकी कार हिसार रोड़ स्थित एनएच-10 शापिंग काम्प्लेक्स के समीप पहुंची तो उसे अचानक उनकी गाड़ी के इंजन से धुआं निकलता दिखाई दिया। इंजन से धुआं निकलता देख उसने धुआं निकलने की वजह जानने के लिए कार को सड़क किनारे रोक दिया। और जैसे ही वो लोग कार से नीचे उतरे उसके बाद देखते ही देखते आग पूरी गाड़ी में फैल गई। जिसके बाद उसने फायर ब्रिगेड व डायल 112 पर फोन कर कार में आग लगने की सूचना दी। सूचना मिलने पर डायल 112 व दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कार में लगी आग पर काबू पाया परंतु जब तब काबू पाया जाता तब तक पुरी कार जलकर राख हो चुकी थी।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट से निवेश को रखा जा सकता सुरक्षित

संभावित नुकसान को कम किया जा सकता है, रिटर्न को अधिकतम करने में मदद मिल सकती है, जोखिम प्रबंधन तकनीकों से सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं, बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट करना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपके निवेश को सुरक्षित रखने में मदद करता है। स्टॉक मार्केट एक स्वाभाविक रूप से अस्थिर वातावरण है जहां मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, कंपनी के प्रदर्शन और भू-राजनीतिक घटनाओं जैसे विभिन्न कारकों से जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए, इन्वेस्टर्स के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी होना आवश्यक है जो संभावित नुकसान को कम करने और रिटर्न को अधिकतम करने में उन्हें मदद कर सकती है। जोखिम प्रबंधन तकनीकों को लागू करके, निवेशक सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं और अपने पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं। इस संदर्भ में, इस निबंध का उद्देश्य स्टॉक मार्केट में जोखिम प्रबंधन की अवधारणा, इसके महत्व, और निवेशक जो विभिन्न रणनीतियों का प्रभावी रूप से प्रबंधन करने के लिए उपयोग कर सकते हैं।

जोखिम प्रबंधन क्या है

जोखिम प्रबंधन यानी रिस्क मैनेजमेंट किसी गतिविधि या निवेश से जुड़े जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन और कम करने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। जोखिम प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य इसके रिटर्न को अधिकतम करते समय निवेश पोर्टफोलियो पर जोखिमों के संभावित प्रभाव को कम करना है। स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट में एक कॉमप्रिहेंसिव दृष्टिकोण शामिल है जो एक इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर विचार करता है। इन कारकों में मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, राजनीतिक कार्यक्रम और कंपनी के प्रदर्शन शामिल हो सकते हैं। कई जोखिम प्रबंधन तकनीक हैं, जिनका उपयोग निवेशक जोखिमों को प्रभावी रूप से प्रबंधित करने के लिए कर सकते हैं। एक लोकप्रिय स्ट्रेटेजी विविधता है, जहां इन्वेस्टर अपने पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में अपने इन्वेस्टमेंट को फैलाते हैं. अन्य तकनीकों में हेजिंग शामिल हैं, जहां इन्वेस्टर संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करते हैं, और ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट का उपयोग करते हैं।

जोखिम प्रबंधन ऐसे करता है काम

जोखिम प्रबंधन संभावित जोखिमों की पहचान करके, उनकी संभावना और संभावित प्रभाव का आकलन करके और उन जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करके काम करता है। इसमें कई चरण शामिल होते हैं।

1. जोखिम पहचान: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का पहला चरण निवेश पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले संभावित जोखिमों की पहचान करना है। यह ऐतिहासिक डेटा विश्लेषण, मार्केट रिसर्च या एक्सपर्ट ओपिनियन जैसे विभिन्न तरीकों के माध्यम से किया जा सकता है।

2. जोखिम मूल्यांकन : संभावित जोखिमों की पहचान होने के बाद, उन्हें निवेश पोर्टफोलियो पर घटना और संभावित प्रभाव की संभावना के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। इस चरण में जोखिम की गंभीरता और इसकी घटना की संभावना का विश्लेषण शामिल है।

3. जोखिम मूल्यांकन: जोखिमों का मूल्यांकन करने के बाद, उनका मूल्यांकन उनकी प्राथमिकता और महत्व के आधार पर किया जाता है। इस चरण में यह निर्धारित करना शामिल है कि

कौन से जोखिम सबसे महत्वपूर्ण हैं और तुरंत ध्यान देना आवश्यक है।

4. जोखिम उपचार: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का अंतिम चरण पहचाने गए जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करना है। यह विभिन्न तकनीकों के माध्यम से किया जा सकता है, जैसे डाइवर्सिफिकेशन, हेजिंग या ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट।

जोखिम प्रबंधन के प्रकार

1. मार्केट रिस्क मैनेजमेंट : मार्केट रिस्क मार्केट की उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप नुकसान होने की संभावना है, जैसे ब्याज दरों, मुद्रास्फीति या करेंसी एक्सचेंज दरों में परिवर्तन। इस जोखिम प्रबंधन में निवेश पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विविधता, हेजिंग और सक्रिय पोर्टफोलियो प्रबंधन जैसी रणनीतियों का उपयोग करना शामिल है।

2. क्रेडिट रिस्क मैनेजमेंट : क्रेडिट रिस्क का अर्थ उधारकर्ता की लोन का भुगतान करने में असमर्थता के परिणामस्वरूप नुकसान को समाप्त करने की संभावना है या अन्य फाइनेंशियल प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की संभावना है। इस जोखिम प्रबंधन में उधारकर्ताओं की क्रेडिट योग्यता का आकलन करना और डिफॉल्ट के संभावित प्रभाव को कम करने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कोलैटरल या इंश्योरेंस।

3. ऑपरेशनल रिस्क मैनेजमेंट: इंटरनल प्रोसेस, सिस्टम या लोगों में विफलताओं के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम ऑपरेशनल रिस्क है। इस जोखिम प्रबंधन में संचालन विफलताओं के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना शामिल है, जैसे आकस्मिक प्लानिंग या आपदा रिकवरी।

4. लिक्विडिटी जोखिम प्रबंधन: आवश्यकता पड़ने पर एसेट को कैश में बदलने में असमर्थता के कारण नुकसान की संभावना को लिक्विडिटी जोखिम के रूप में जाना जाता है। यह जोखिम प्रबंधन पर्याप्त नकदी आरक्षित रखता है और यह गारंटी देने के लिए प्रक्रियाएं रखता है कि आवश्यकता होने पर एसेट को तेजी से नकद में बदला जा सकता है।

5. प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन: प्रतिष्ठात्मक जोखिम कंपनी की प्रतिष्ठा या ब्रांड के नुकसान के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम है। प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन में कंपनी की प्रतिष्ठा को सुरक्षित रखने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कि सोशल मीडिया की निगरानी करना और नकारात्मक फीडबैक का जल्दी जवाब देना।

6. कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन: नियमों और विनियमों को तोड़ने के परिणामस्वरूप होने वाला नुकसान कानूनी और नियामक जोखिम के रूप में जाना जाता है। संबंधित कानूनों और विनियमों के अनुपालन की गारंटी देने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन का हिस्सा है।

क्या हों रणनीतियां

1. डाइवर्सिफिकेशन: डाइवर्सिफिकेशन एक स्ट्रेटेजी है जिसमें पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में इन्वेस्टमेंट को फैलाना शामिल है। विभिन्न सेक्टरों, भौगोलिक क्षेत्रों और मार्केट कैपिटलाइजेशन में स्टॉक की रेंज में इन्वेस्ट करके, इन्वेस्टर पोर्टफोलियो पर किसी भी एक स्टॉक या सेक्टर के प्रभाव को कम कर सकते हैं।

2. स्टॉप-लॉस ऑर्डर: स्टॉप-लॉस ऑर्डर अगर यह एक निश्चित प्राइस पॉइंट तक पहुंचता है, तो स्टॉक बेचने का ऑर्डर है। यह रणनीति उस स्थिति में संभावित नुकसान को सीमित करने के लिए इस्तेमाल की जाती है जिसमें स्टॉक की कीमत पूर्वनिर्धारित सीमा से कम होती है।

3. हेजिंग: हेजिंग में संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करना शामिल है। उदाहरण के लिए, अगर स्टॉक की कीमत कम हो जाती है, तो इन्वेस्टर संभावित नुकसान से सुरक्षा के लिए स्टॉक पर विकल्प खरीद सकता है।

4. ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट: मार्केट परिस्थितियों को शिफ्ट करने के लिए निरंतर आधार पर पोर्टफोलियो की निगरानी और बदलना को ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट के रूप में जाना जाता है। बुद्धिमानी से निवेश चयन करने के लिए, इस तकनीक के लिए मार्केट ट्रेंड, कॉर्पोरेट परफॉर्मेंस और आर्थिक डेटा का आकलन करना आवश्यक है।

5. डॉलर-लागत औसत: डॉलर-लागत औसत एक तरीका है, जिसमें मार्केट की स्थितियों के बावजूद कंपनी में नियमित अवधि में निरंतर राशि निवेश की जाती है। यह तकनीक निवेशकों को कीमतें कम होने पर अधिक स्टॉक खरीदकर मार्केट की अस्थिरता से लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाती है और जब कीमतें अधिक होती हैं तो कम शेयर होते हैं।

6. फंडामेंटल एनालिसिस: फंडामेंटल एनालिसिस, अपने फाइनेंशियल स्टेटमेंट, इंडस्ट्री ट्रेंड और अन्य संबंधित डेटा का मूल्यांकन करके कंपनी के अंतर्निहित मूल्य को निर्धारित करने का एक तरीका है। यह विधि उन स्टॉक को खोजने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो सस्ते हैं और संभावित वृद्धि की संभावनाएं हैं।

बुलियन मार्केट बूम-बूम : क्या यह गोल्ड फंड में निवेश का सही समय

सुझाव | बिजनेस डेस्क

सोना यानी गोल्ड के प्रति निवेशकों का आकर्षण लंबे समय से बना हुआ है, खासकर तो ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता के समय में यह और बढ़ जाता है। सोने की एमसीएक्स पर कीमत 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई है। सिर्फ इस साल यानी 2025 की बात करें तो इसकी कीमतों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी आ चुकी है, जबकि साल 2024 में सोना 27 फीसदी मजबूत हुआ था। इंटरनेशनल स्तर पर, सोना 3,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की महत्वपूर्ण रेंज को पार कर गया है, वहीं कुछ ब्रोकरेज हाउस ने आगे और मजबूती की संभावना जताई है। अब यह सवाल उठता है कि क्या निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ और म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए, या यह

सोने में रैली जारी रहने की उम्मीद

बुलियन मार्केट के जानकारों का कहना है कि सोने में पिछले 15 महीने की प्रभावशाली रैली यह सोचने पर मजबूत करती है कि इस तरह की तेजी किन वजहों से आई है। यह वर्तमान में दुनिया भर में जियो-पॉलिटिकल और आर्थिक अनिश्चितताओं द्वारा संचालित टॉप प्रदर्शन करने वाला एसेट क्लास है। सोने की सेफ हैवन वाली स्थिति और मजबूत होती है, क्योंकि विशेष रूप से टैरिफ को लेकर अमेरिकी पॉलिसी, वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाती हैं। एक प्रमुख फैक्टर केंद्रीय बैंकों द्वारा रिकॉर्ड तोड़ सोना खरीदना भी है, जिसका उद्देश्य रिजर्व में विविधता लाना और अमेरिकी डॉलर जैसी सिंगल-करेंसी एसेट्स पर निर्भरता कम करना है। यह ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है, जिससे निकट भविष्य से लेकर लॉन्ग टर्म में सोने की कीमतों में तेजी बनी रहेगी। जियो-पॉलिटिकल टेंशन और केंद्रीय बैंकों द्वारा अमेरिकी ट्रेजरी से दूर जाने का यह संयोजन सोने की कीमतों में तेजी के पीछे प्रमुख फैक्टर हैं। भारत में, विशेष रूप से वेडिंग सीजन के दौरान ज्वैलरी की पारंपरिक मांग, सोने की कीमतों में उछाल को बढ़ाती है। हाल ही में अमेरिकी सरकार की टैरिफ पॉलिसी ने सुरक्षित माने जाने वाले एसेट्स का आकर्षण बढ़ा दिया है। पॉलिसी को लेकर अनिश्चितता, वैश्विक संघर्ष, केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद और भारत व चीन में रिटेल इंटरेस्ट से प्रेरित सोने की मांग में यह स्ट्रक्चरल शिफ्ट आगे जारी रह सकता है। इसलिए सोने में निवेश किया जा सकता है।

गोल्ड फंड में निवेश

लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए, सोने से संबंधित एसेट्स हमेशा एक व्यवहारिक विकल्प होते हैं। शॉर्ट टर्म की प्राइस वोलेटिलिटी को कम करने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की सलाह है। इंडेक्स फंड, एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और फंड ऑफ फंड सहित गोल्ड फंड, व्यापक आर्थिक अनिश्चितता के दौरान पोर्टफोलियो को स्थिरता प्रदान कर सकते हैं और महंगाई के खिलाफ सुरक्षा दे सकते हैं।

सोने में कमा लिया मुनाफा तो क्या करें

निवेशक अपने रिस्क लेने की क्षमता, निवेश की अवधि और वित्तीय लक्ष्य के अनुरूप एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाए रख सकते हैं। एलाइनमेंट सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर पोर्टफोलियो समीक्षा जरूरी है। फाइनेंशियल प्लानर लॉन्ग टर्म एसेट एलोकेशन पर टिके रहने की सलाह दे रहे हैं। अगर आवश्यक हो, तो फाइनेंशियल एडवाइजर के गाइडेंस में रीबैलेंसिंग किया जा सकता है। सोने को आम तौर पर एक लॉन्ग टर्म एसेट क्लास माना जाता है और उसी के अनुसार स्ट्रैटेजी अपनाई जानी चाहिए।

लंबे समय के लिए करें निवेश

- वैश्विक अनिश्चितता और केंद्रीय बैंक की खरीद के कारण सोने की कीमतें बढ़ी।
- लॉन्ग टर्म निवेशक सोने की स्थिरता और महंगाई के खिलाफ हेजिंग से लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव को मैनेज करने के लिए आदर्श विकल्प है।
- एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाए रखें और रीबैलेंसिंग के लिए फाइनेंशियल एडवाइजर से परामर्श करें।
- सोना एक लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट एसेट है।

गोल्ड के प्रति निवेशकों का आकर्षण लंबे समय से बना है, ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता के समय में और बढ़ जाता है, सोने की एमसीएक्स पर दाम 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार हैं।

बुलियन मार्केट में निवेश करने के चरण

चरण 1 : समझें बुलियन मार्केट

1. **बुलियन क्या है?** : बुलियन सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को कहते हैं।
2. बुलियन मार्केट कैसे काम करता है? : बुलियन मार्केट में इन धातुओं का कारोबार होता है, जहां निवेशक इन्हें खरीदते और बेचते हैं।

चरण 2: निवेश के विकल्प चुनें

1. **फिजिकल बुलियन** : सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को फिजिकल रूप में खरीदना।
2. **गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (जीईटीएफ)** : गोल्ड जीईटीएफ में निवेश करना, जो सोने की कीमत के अनुसार चलता है।
3. **बुलियन ईटीएफ** : अन्य कीमती धातुओं जैसे चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम के ईटीएफ में निवेश करना।
4. **बुलियन म्यूचुअल फंड्स** : बुलियन म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना, जो कीमती धातुओं में निवेश करते हैं।
5. **ऑनलाइन बुलियन प्लेटफॉर्म** : ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे कि बुलियनबाजार, पेटीएम गोल्ड, आदि पर निवेश करना।

चरण 3: निवेश करने से पहले ध्यान रखें

1. **जोखिम समझें** : बुलियन मार्केट में जोखिम होता है, इसलिए निवेश करने से पहले जोखिम को समझें।
2. निवेश के लक्ष्य तय करें : अपने निवेश के लक्ष्य तय करें, जैसे कि लंबी अवधि के लिए निवेश करना या अल्पावधि में लाभ कमाना।
3. **निवेश की राशि तय करें** : अपने निवेश की राशि तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
4. **निवेश के लिए समय तय करें** : अपने निवेश के लिए समय तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।

चरण 4: निवेश करें

1. **निवेश के लिए खाता खोलें** : निवेश के लिए एक खाता खोलें, जो आपके निवेश के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
2. **निवेश करें** : अपने निवेश के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार निवेश करें।
3. **निवेश की निगरानी करें** : अपने निवेश की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार समायोजन करें। इस सोने में निवेश को सही समय हो सकता है। आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

छोटे-छोटे निवेश भी बना सकते हैं करोड़पति!

बिजनेस डेस्क

- 2000, 5000 और 10000 के मंथली निवेश करें
- लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें, पीछे मुड़कर न देखें

तेजी से बढ़ती महंगाई और भविष्य के अनिश्चितताओं को देखते हुए हर कोई बड़ा फंड इकट्ठा करना चाहता है। अगर आप भी अपने भविष्य के लिए एक बड़ा फाइनेंशियल गोल तय करना चाहते हैं तो सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। सिर्फ सुझावों के भरोसे न रहें। खुद शेयरों का मूल्यांकन करना सीखें। एसआईपी के जरिए नियमित रूप से छोटा-छोटा अमाउंट निवेश करके आप एक दिन करोड़पति बन सकते हैं। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान की खूबी यह है कि आप छोटा-छोटा अमाउंट का इन्वेस्टमेंट करके बड़ा फंड इकट्ठा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि आप आप 2,000 रुपये, 5,000 रुपये और 10,000 रुपये की एसआईपी करते हैं और उसे हर साल 10% बढ़ाते हैं, तो 1 करोड़ रुपये का फंड तैयार करने में कितना समय लगेगा। इस कैलकुलेशन के लिए हम मानते हैं कि आपके निवेश पर सालाना आधार पर 12% का रिटर्न मिलेगा, जो लंबे समय के निवेश में लॉर्ज कैप म्यूचुअल फंड के जरिए भी हासिल किया जा सकता है।

2,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 2,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 27 साल में 1.05 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।
- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 29,06,399 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 75,81,135 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,04,87,533 रुपये

5,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 5,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 21 साल में 1.08 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।
- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 38,40,150 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 70,22,858 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,08,63,008 रुपये

10,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 17 साल में 1.16 करोड़ रुपयेका फंड हो जाएगा।
- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 48,65,364 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 66,98,342 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,15,63,706 रुपये

गिरावट के दौरान बंद न करें एसआईपी

जब बाजार में गिरावट आती है तो कई निवेशक घबरा जाते हैं और एसआईपी बंद कर देते हैं। लेकिन वह एसआईपी जारी रखने का समय होता है, क्योंकि जब बाजार गिरता है तो कम कीमत में म्यूचुअल फंड की ज्यादा यूनिट मिलती है। लंबे समय में शेयर मार्केट हमेशा ऊपर जाता है, इसलिए गिरावट का लाभ उठाना चाहिए।

क्या है एसआईपी

एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, म्यूचुअल फ्रंड में निवेश करने का एक तरीका है। इसमें, निवेशक एक निश्चित राशि को पहले से तय समय पर निवेश करता है. यह निवेश साप्ताहिक, मासिक, तिमाही, अर्ध-वार्षिक, या वार्षिक आधार पर किया जा सकता है।

एसआईपी के फ़ायदे

- बाजार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है।
- निवेशकों को नियमित रूप से बचत की आदत लगती है।
- कंपाउंडिंग व औसत लागत की शक्ति का लाभ मिलेगा।
- निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है।
- निवेशकों को समयबद्ध तरीके से निवेश करने में मदद मिलती है।

हेल्थ इंश्योरेंस में सम इंश्योर्ड की अहम भूमिका

जानकारी | बिजनेस डेस्क

भास्कर नेरुरकर

अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण

यह आपको बताता है कि एमरजेंसी के समय आपके पास कितना कवरेज होगा

इंश्योरेंस में जानने लायक सबसे महत्त्वपूर्ण शब्द है सम इंश्योर्ड, हेल्थ इंश्योरेंस के संदर्भ में यह सबसे खास है. यह एक पॉलिसी वर्ष में आपके मेडिकल खर्चों के लिए आपकी इंश्योरेंस कंपनी द्वारा भुगतान की जाने वाली अधिकतम राशि को दर्शाता है। अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे आपको पता चलता है कि कोई बीमारी या एमरजेंसी का सामना होने पर आपके पास कितना कवरेज होगा। हेल्थकेयर की लागत बढ़ रही है, ऐसे में सही सम इंश्योर्ड होने से आप मेडिकल ट्रीटमेंट पर आने वाले अधिक बिल से बच सकते हैं। हममें से बहुत से लोगों को सही कवरेज चुनना काफी मुश्किल लगता है। बुनियादी बातों को समझकर, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज के बारे में स्मार्ट निर्णय ले सकते हैं। इससे सुनिश्चित होता है कि आपके पास मेडिकल खर्चों को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए पर्याप्त फाइनेंशियल सहायता होगी। इसलिए, सही सम इंश्योर्ड होने का मतलब है अपने अप्रत्याशित हेल्थकेयर खर्चों के बारे में अधिक चिंता से मुक्ति।

अब आइए सम इंश्योर्ड के महत्त्व को समझते हैं

1. पर्याप्त हेल्थकेयर कवरेज लें

अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्त्वपूर्ण है। अगर आप बहुत कम सम इंश्योर्ड चुनते हैं, तो आपको मेडिकल बिल के लिए अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है और अगर आप इसे बहुत अधिक पर सेट करते हैं तो आपको जरूरी से अधिक प्रीमियम का भुगतान करना पड़ सकता है। सबसे अच्छा तो यह होगा कि आप ऐसा सम इंश्योर्ड चुनें, जो आपकी जरूरतों को प्रभावी रूप से कवर भी करे और बहुत अधिक महंगा भी न हो। इस तरह, आप बहुत अधिक प्रीमियम का भुगतान करने से बचते हुए यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपके पास अपने स्वास्थ्य खर्चों के लिए पर्याप्त सुरक्षा हो. सही संतुलन की तलाश करने से आपको फाइनेंशियल रूप से सुरक्षित रहने और किसी भी अप्रत्याशित मेडिकल खर्च या बीमारियों के लिए तैयार रहने में मदद मिलेगी। इससे आप बेफिक्र रहेंगे।

2. मन की शांति

सही सम इंश्योर्ड होने से आपको मन की शांति मिलती है। आप मेडिकल बिलों की चिंता किए बिना बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। पर्याप्त कवरेज के साथ, आप लागत के बारे में सोचे बिना सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर चुन सकते हैं। यानी, यह जानते हुए अपनी रिकवरी पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं कि आप अप्रत्याशित खर्चों से सुरक्षित हैं। इससे आपको सुरक्षित महसूस करने में मदद मिलती है और आप इलाज के लिए भुगतान करने के तनाव के बिना तेजी से ठीक हो पाते हैं।

3. गंभीर बीमारियों के लिए कवरेज

गंभीर रोगों का सामना करते समय, इलाज का खर्च बहुत अधिक हो सकता है। कैंसर या हृदय रोग जैसी बीमारियों के लिए अक्सर महंगे उपचारों और हॉस्पिटल में लंबे समय तक रहने की आवश्यकता होती है। इसलिए अधिक सम इंश्योर्ड होना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि आपके पास इन अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों के लिए पर्याप्त कवरेज हो। पर्याप्त इंश्योरेंस के साथ, आप इलाज के लिए भुगतान करने की चिंता करने के बजाय बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।

4. फैमिली कवरेज

फैमिली हेल्थ प्लान चुनते समय, ऐसी कवरेज राशि चुनना महत्त्वपूर्ण है, जो हर किसी की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा कर सके। अगर आपके परिवार में छोटे बच्चे और वृद्ध माता-पिता हैं, तो उन्हें अलग-अलग तरह की मेडिकल केयर की आवश्यकता पड़ सकती है। हर कोई सुरक्षित हो यह सुनिश्चित करने के लिए, हमेशा परिवार के प्रत्येक सदस्य की आयु, स्वास्थ्य स्थितियों और मेडिकल हिस्ट्री पर विचार करें। इस तरह, आप यह आत्मविश्वास महसूस कर सकते हैं कि आपके परिवार को उस समय सर्वश्रेष्ठ मेडिकल केयर मिलेगी, जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी।

5. टैक्स लाभ

उच्च मेडिकल खर्चों से आपको सुरक्षित रखने के लिए हेल्थ इंश्योरेंस महत्वपूर्ण है, और यह टैक्स लाभ के साथ आता है जिससे आपको पैसे बचाने में मदद मिल सकती है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80डी के तहत, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस पर भुगतान किए गए प्रीमियम के लिए कटौती का क्लेम कर सकते हैं. सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है. उदाहरण के लिए, अगर आपके पास रु. 5 लाख के सम इंश्योर्ड की पॉलिसी है और आप रु. 15,000, का प्रीमियम देते हैं, तो आप इस राशि को अपनी टैक्स योग्य आय से घटा सकते हैं, जिससे आपके द्वारा देय कुल टैक्स कम हो जाता है। अगर आप अपने माता-पिता के हेल्थ इंश्योरेंस के लिए भी भुगतान कर रहे हैं, तो आप अतिरिक्त कटौती का क्लेम कर सकते हैं, जिससे आपको अधिक पैसे बचाने में मदद मिलती है. इस तरह, आप समझदारी भरा फाइनेंशियल निर्णय लेने के साथ ही अपने हेल्थकेयर और इनसे जुड़े खर्चों को सुरक्षित करते हैं। अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि सबसे अधिक आवश्यकता होने पर आपको फाइनेंशियल सुरक्षा और क्वालिटी हेल्थकेयर तक एक्सेस मिले. सूचित विकल्प चुनकर, आप खुद को और अपने परिवार को अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों और जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षित करते हैं। सही सम इंश्योर्ड के साथ, आप लागत की चिंता किए बिना अपनी रिकवरी पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आखिर में, यह मन की शांति, कॉमप्रिहेंसिव कवरेज और फाइनेंशियल स्थिरता प्रदान करता है।

(लेखक हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के हेड हैं।)

खबर संक्षेप

मेयर आज करेंगे फ्री होम्योपैथी डिस्पेंसरी का शुभारंभ

हिसार। पंजाबी वेलफेयर सोसायटी के तत्वाधान में राजगुरु मार्केट स्थित पंजाबी धर्मशाला में 6 अप्रैल को रियायती रेटों पर पेथोलोजी लैब एवं फ्री होम्योपैथी डिस्पेंसरी का शुभारंभ किया जाएगा। सोसाइटी के प्रधान शम्मी नागपाल ने बताया कि लैब एवं डिस्पेंसरी का शुभारंभ नगर निगम के मेयर प्रवीण पोपली करेंगे। सोसाइटी के उपप्रधान राजकुमार महता, महासचिव राकेश चोपड़ा, सहसचिव विजय नागपाल एवं कोषाध्यक्ष डॉ. तिलकराज आहुजा सहित अन्य सदस्य मेयर प्रवीण पोपली सहित आने वाले गणमान्य लोगों का स्वागत करेंगे।

भाविप आज लगाएगा रक्तदान शिविर

नारनौंद। भारत विकास परिषद नारनौंद द्वारा रामनवमी के शुभ अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। भाविप के अध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंगला ने बताया कि रविवार को रामनवमी के अवसर पर कस्बे की दादा देवराज धर्मशाला में रक्तदान शिवर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें हलके के विधायक जस्सी पेटवाड़ मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे और विशिष्ट अतिथि के रूप में नपा चेयरमैन शमशेर कूकन होंगे।

बाइक सवार मंगलसूत्र लेकर फरार

सिरसा। गांव शाहपुर बेगू में खेतों में रह रही महिला का चारपाई पर पड़ा मंगलसूत्र बाइक सवार चोरी कर ले गया। पुलिस को दी शिकायत में गुडिया कुमारी ने बताया कि वह गांव शाहपुर बेगू में खेतों में बने कमरे में रहती है। बीती 1 अप्रेल को उसका पति घर से बाहर गया हुआ था। शाम करीब 4 बजे वह घर का काम कर रही थी। इसी दौरान उसने अपना मंगलसूत्र निकालकर चारपाई पर रख दिया और काम में लग गई। इसी दौरान एक बाइक सवार युवक घर आया और चारपाई पर पड़ा मंगलसूत्र उठाकर भाग गया। उसने हालांकि शोर भी मचाया, लेकिन जब तक आसपास के लोग आते, युवक भागने में कामयाब हो गया।

खेतों से हजारों की ट्यूबवेल की केबल चोरी

सिरसा। जिला के गांव दड़बी में एक किसान के खेतों से चोर हजारों की विद्युत केबल चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में खेत मालिक विजय कुमार ने बताया कि उसके खेतों में लगी पानी की मोटर खराब हो गई थी, जिसे उसने खोलकर मिस्त्री के पास ठीक करवाने के लिए छोड़ दिया और करीब 800 फुट केबल खेत में बने कमरे में रख दी।

बिजली के दामों में वृद्धि के निर्णय की आलोचना

सिरसा। जननायक जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा ने भाजपा सरकार की ओर से महंगाई के दौर में बिजली के दामों में की गई वृद्धि के निर्णय की कड़ी आलोचना की है। अशोक वर्मा ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि जो भारतीय जनता पार्टी हर वर्ग के उत्थान व कल्याण के लिए काम करने का दावा करती है, वह सरासर झूठा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता पहले से ही महंगाई, बेरोजगारी, अपराध आदि से परेशान है, ऊपर से सरकार ने बिजली के दामों में वृद्धि कर कोढ में खुजली का कार्य किया है।

विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षिक गतिविधियां प्रस्तुत की

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दुर्गाष्टमी उत्सव

दुर्गा अष्टमी हमारे सांस्कृतिक मूल्यों और नारी शक्ति की प्रतीक : बहादुर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

दुर्गाष्टमी उत्सव में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मां दुर्गा का चित्र बनाते नन्हें कलाकार

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में शनिवार को दुर्गाष्टमी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मंत्रोच्चारण एवं विधिवत माता दुर्गा की पूजा-अर्चना से की गई, जिसमें स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षिक गतिविधियां प्रस्तुत की। उत्सव में नर्सरी से कक्षा पांचवी तक के विद्यार्थियों ने रंगों और चित्रों के माध्यम से माता के विभिन्न स्वरूपों को प्रस्तुत किया, जिससे बच्चों को देवी दुर्गा की महिमा, उनके शक्ति रूप और प्रेरक कथाओं से अवगत कराया गया।इस अवसर पर यदुवंशी ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि दुर्गा अष्टमी हमारे सांस्कृतिक मूल्यों और नारी शक्ति की प्रतीक है। हम प्रयास करते हैं कि बच्चों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें हमारे धार्मिक और सामाजिक मूल्यों से भी जोड़ा जाए। इस आयोजन में बच्चों ने जिस तरह से सहभागिता दिखाई, वह अत्यंत सराहनीय है। प्रधानाचार्य सुनील कुमार ने बच्चों को नवरात्रों के महत्व से अवगत करवाया।

निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं के साथ प्राचार्य व अन्य स्टाफ सदस्य।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में गरिमा कौशिक रही प्रथम

हिसार। दयानंद महाविद्याल के अर्थशास्त्र विभाग में 'स्टार्टअप एंड इनोवेशन इन इंडिया इकोनामी' विषय पर अर्थशास्त्र विभाग की इंचार्ज डॉ. सुरूचि शर्मा के मार्गदर्शन में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कॉलेज के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। निर्णायक मंडल की भूमिका अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक दीपक शर्मा, बबीता, रितु चहल ने की। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बीए तृतीय वर्ष की छात्रा गरिमा कौशिक, द्वितीय स्थान पर बीए तृतीय वर्ष की छात्रा रूकमणी, तीसरा स्थान बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा किस्मत ने प्राप्त किया।

हांसी : दुर्गाष्टमी पर आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु फोटो : हरिभूमि

दुर्गाष्टमी पर गांधी मार्केट में किया भंडारे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

■ अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया

गांधी मार्केट में शनिवार को चैत्र दुर्गाष्टमी के उपलक्ष्य में जय अंबे भंडारा सेवा समिति द्वारा मार्केट एसोसिएशन के प्रधान पप्पू चुघ की अध्यक्षता में भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें भाजपा नेता व श्री शिव सेवा समिति के प्रधान प्रेम वर्मा और समाजसेवी अमरजीत दूहन ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। जबकि वीरभान मल्होत्रा ने ज्योत प्रज्जवलित कर भंडारे का शुभारंभ किया। आयोजन समिति के सदस्यों ने अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर हरीश मल्होत्रा, राहुल जैन, महेश दुआ, ललित, लवकेश भुटानी, लक्ष्य रेवड़ी, सन्नी, हरीश महता, दलीप मिस्त्री, संदीप मिस्त्री, स्वीटी बब्बर, राजेन्द्र दूहन, विक्की गंगवानी, राजेश मिस्त्री सहित काफी संख्या श्रद्धालु मौजूद रहे।

कबीर सत्संग भवन में रामनवमी पर्व पर अखंड पाठ आज से

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

महावीर कालोनी स्थित कबीर सत्संग भवन में रामनवमी पर्व के उपलक्ष्य में 6 अप्रैल से 8 अप्रैल तक जगतगुरु आचार्य श्री गरीबदास महाराज की अमृतमयी वाणी का तीन दिवसीय 29वां अखण्ड पाठ आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सत्संग भवन के संचालक संत शिव दास ने बताया कि 6 अप्रैल को अखंड पाठ का सुबह पाठ प्रकाश शुरू होगा। 7 अप्रैल को सुबह मध्य का भोग, संध्या आरती व रात्रि का सत्संग होगा तथा 8 अप्रैल को सुबह पूर्ण भोग की आहुति का आयोजन एवं अमृत प्रवचन गरीबदासी आचार्य पीठाधीश्वर श्री महंत दया सागर द्वारा होगा।

सीएम ने कैमरी रोड जलघर का किया निरीक्षण

■ जलापूर्ति के संबंध में अधिकारियों से प्राप्त की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। कैमरी रोड़ स्थित जलघर का निरीक्षण करते सीएम नायब सिंह सैनी ।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कैमरी रोड पर स्थित जलघर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर जलापूर्ति के संबंध में अधिकारियों से जवाब तलब किया। मुख्यमंत्री ने जलघर के टैंक की साफ सफाई का भी मुआयना किया। उन्होंने अधिकारियों को जलघर के टैंक और पूरे परिसर में स्वच्छता पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जलघर के ट्रीटमेंट प्लांट को भी देखा। उन्होंने कहा कि आमजन को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि लोगों के घरों तक स्वच्छ पानी पहुंचे। इस अवसर पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने अवगत करवाया कि कैमरी रोड स्थित जलघर में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट काफी पुराना हो चुका था, जो 9 एमएलडी का था। अब उसके स्थान पर यहां 15 एमएलडी का प्लांट स्थापित किया गया है, जिसका फिलहाल ट्रायल रन चल रहा है। उन्होंने बताया कि शहर की लगभग 20 से 25 प्रतिशत आबादी को इस जलघर से जलापूर्ति की जाती है।औचक निरीक्षण के उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा के आवास पर भी गए और वहां कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

वॉलीबॉल में दिखाया छात्रों ने दम

मदर प्राइड स्कूल में प्रतियोगिताएं आयोजित, विजेता किए पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी आदमपुर

मंडी आदमपुर : प्रतियोगिता में भाग लेता विद्यार्थी।

मदर्स प्राइड कान्वेंट स्कूल में विश्व स्वास्थ्य संगठन से संबंधित रोचक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा छठी से 12वीं तक चैस ,कैरम और वॉलीबॉल प्रतियोगिता रखी गई । छात्रों में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए चैस प्रतियोगिता में गुंजन प्रथम स्थान, गरिमा द्वितीय, इशिका तृतीय, कैरम प्रतियोगिता में अंजू, उन्नति, किंजल, दिव्या, रावी, सेजल, रिया, राशि भूमिका ने प्रथम स्थान कनिका, मीनाक्षी, अनुराधा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा वॉलीबॉल प्रतियोगिता में टीम- ई ने प्रथम स्थान,टीम सी ने द्वितीय स्थान व टीम ए ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

सीएम ने भाजपा प्रदेश महामंत्री पूनियां के आवास पर सुनी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बरवाला

बरवाला। भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनियां के आवास पर चर्चा करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सिंह सैनी। फोटो : हरिभूमि

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनियां के आवास पर पहुंचे और रात्रि भोज किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनियां की मां से आशीर्वाद ग्रहण किया। सीएम सैनी ने लोगों की समस्याएं भी सुनी और समस्याओं के समाधान के लिए मौके पर मौजूद संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। इस दौरान कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, विधायक विनोद भयाना, विधायक रणधीर पनिहार, जिलाध्यक्ष हांसी अशोक सैनी व हिसार जिलाध्यक्ष आशा रानी खेदड विशेष रूप से मौके पर मौजूद रहे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री का भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनियां के आवास पर पहुंचने पर मौके पर मौजूद भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट करके बड़ी गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

वक्फ संशोधित बिल 2025 पास होना, देश के लिए एक पर्व जैसा : घनश्याम गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। बैठक करते हरियाणा वक्फ लैंड होल्डर्स एसोसिएशन के सदस्य

बड़े ही गर्व एवं खुशी का ये एक महत्वपूर्ण एवं मजबूती से भारत सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड पर लिया गया फैसला है जोकि पूरे भारत वर्ष के असंख्य अल्पसंख्यक मुस्लिम, ईसाई, जैन आदि समुदायों के साथ-साथ विभिन्न हिन्दू समाज के लोगों के लिए एक पर्व जैसा है। इसमें सभी वर्ग के लोगों को पूरे भारत वर्ष में वक्फ बोर्ड द्वारा की गई ज्यादतियों, मनमानी व अवैध कब्जाई गई जमीनों से छुटकारा मिलेगा, साथ ही अल्पसंख्यक समुदायों को आने वाले समय में विशिष्ठ लाभ होगा। यह बात हरियाणा वक्फ लैंड होल्डर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष एवं भाजपा हरियाणा प्रदेश, वक्फ संशोधन समिति सदस्य घनश्याम गोयल ने एसोसिएशन के सदस्यों की बैठक को संबोधित करते हुए कही। गोयल ने कहा कि पूरे हरियाणा में लगभग 10 लाख लोग प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप में लंबे समय से वक्फ बोर्ड से पीड़ित हैं। एसोसिएशन की भारत सरकार व हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अपील है कि अब इन जमीनों को सरकार अपने नियंत्रण में ले तथा इन पर रह रहे विभिन्न समुदाय के लोगों को देकर अनुग्रहित करे।

चैत्र मास की अष्टमी पर प्राचीन शनि धाम में हुआ कंजक पूजन

सिरसा। चैत्र मास के नवरात्रों की अष्टमी के अवसर पर शनिवार को प्राचीन श्री शनि धाम में कन्याओं का पूजन किया गया। मां दुर्गा की पूजा और आरती के पश्चात विधि विधान से कन्याओं के चरण पखार कर पूजन किया गया तत्पश्चात उन्हें भोग अर्पित किया गया। कन्या पूजन के पश्चात मंदिर में आए श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। पुजारी चंद्रमोहन भृगुवंशी ने विधि विधान से पूजा करवाई। इस अवसर पर समाजसेवी जोगेंद्र सेतिया, अमित कुमार व उनके परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। सभी ने मां दुर्गा की आरती व पूजन किया। तत्पश्चात श्रद्धा पूर्वक मां दुर्गा स्वरूप कन्याओं को भोजन करवाया। माता स्वरूप कन्याओं से आशीर्वाद लिया।

हांसी। नये सत्र के शुभारंभ पर हवन-यज्ञ में आहुति डालती स्कूल प्रिंसिपल उर्मिला शर्मा व अन्य । फोटो :हरिभूमि

सरहानीय कदम हकृवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

कुलपति ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई

मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में केन्द्र का रहा सराहनीय योगदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल (रेवाड़ी) को मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मूंगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिन्हित की गई है। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूंगफली की राज्य स्तरीय उन्नत किस्म जीएनएच 804 के अलावा सस्य विज्ञान में पोषक तत्वों से सम्बन्धित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूंगफली के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूंगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है।

अनुसंधान में इनका रहा योगदान

मूंगफली के लिए किए गए अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, मूंगफली पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ अशोक कुमार डहिनवाल, डॉ अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एसवीसी कपिल अरोड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व तिलहन अनुभाग अध्यक्ष डॉ रामावतार उपस्थित थे।

पीसीएसडी व एलडीएसडी में हवन के साथ नया सत्र शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

पीसीएसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय व एलडीएसडी पब्लिक स्कूल में शनिवार को नव सत्र पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्या उर्मिला शर्मा ने की। आचार्य पंडित प्रकाश शर्मा ने वैदिक मंत्रो के साथ हवन यज्ञ कर नव सत्र का शुभारंभ किया। आचार्य प्रकाश शर्मा ने हवन-यज्ञ के उपरांत सनातन धर्म के सिद्धान्तों, नवरात्र पर्व एवं नव संवत्सर पर महत्पूर्ण जानकारियां सांझा करते हुए इनके महत्व के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय प्रधान नीरज बंसल ने कहा कि हमारा विद्यालय सनातन धर्म का पालन करता है और हर वर्ष नए सत्र की शुरुआत गायत्री मंत्रों व हवन यज्ञ के माध्यमों से करता है।

इस अवसर पर एलडीएसडी की प्राचार्या मंजू सैनी, उप-प्राचार्य विजेंद्र वर्मा सहित दोनों विद्यालयों का स्टाफ व विद्यार्थी मौजूद थे।

खबर संक्षेप

बांडाहेडी-बालसमंद रोड से काबू, 15 कारतूस बरामद

हिसार। बालसमंद चौकी पुलिस ने बांडाहेड़ी-बालसमंद रोड से एक व्यक्ति को काबू करके 15 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। सहायक उप निरीक्षक रविन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को गश्त के दौरान सूचना मिली कि बांडाहेड़ी-बालसमंद रोड से एक व्यक्ति हथियारों सहित खड़ा है। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एक युवक को दबोच लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम बांडाहेड़ी निवासी अजीत बताया। तलाशी लेने पर अजीत के कब्जे से एक कपड़े में बंधे हुए 15 जिंदा कारतूस बरामद हुए।

अवैध पिस्तौल सप्लायर को किया गिरफ्तार

हिसार। बालसमंद चौकी पुलिस ने अवैध पिस्तोल सप्लायर गांव नयाना निवासी विकास उर्फ बच्ची भी गिरफ्तार किया है। एएसआई जसवंत सिंह ने बताया कि 2 अप्रैल को पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने गांव भिवानी रोहिल्ला-सरसाना रोड से भिवानी रोहिल्ला निवासी अनिल कुमार को गिरफ्तार कर एक अवैध पिस्तोल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए थे। बरामद अवैध पिस्तोल, मैगजीन और दो जिंदा कारतूस को कब्जा में लेकर पुलिस ने अनिल कुमार के खिलाफ सदर थाना में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज करके उसे गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा की गई जांच में सामने आया कि उक्त आरोपी विकास उर्फ बच्ची ने अनिल कुमार को बरामद शुदा पिस्तोल 15 हजार रुपए में बेचा था। आरोपी विकास उर्फ बच्ची को पूछताछ के बाद अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ चलाया अभियान

हिसार। साइबर थाना पुलिस ने गवर्मेंट हाई स्कूल, लाडवा के विद्यार्थियों और अध्यापकों को साइबर क्राइम के बारे जागरूक करने के लिए साइबर जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान मुख्य सिपाही नरेश कुमार ने विद्यार्थियों को साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ जागरूकता और कानूनी सहायता के बारे में विस्तार से बताया। अभियान के दौरान मुख्य सिपाही नरेश कुमार ने कहा कि हमें अपनी डिजिटल दुनिया को सुरक्षित करना है।

राम भक्त हनुमान मंदिर का वार्षिक महोत्सव 8 से

हिसार। रामभक्त हनुमान मंदिर समिति, गली नम्बर-2 जवाहर नगर के 30वें वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में 8 से 12 अप्रैल तक संगीतमय हनुमान कथा का आयोजन किया जाएगा। मंदिर समिति के प्रधान इंद्रचंद राठी ने बताया कि महामंडलेश्वर स्वामी विवेकानंद महाराज वृंदावन के कृपापात्र पीठाधीश्वर स्वामी सत्यानंद महाराज के सान्निध्य में भजन, सत्संग व प्रवचन होंगे। पहले दिन प्रातः 10 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी। 8 से 11 अप्रैल तक सायं 4 बजे से 7 बजे तक कथा व्यास श्रीहरि मंदिर अमरधाम, फर्रुखनगर (गुरुग्राम) के अधिष्ठाता डॉ. स्वामी उमानंद (मानसमणि) हनुमान कथा करेंगे। हिसार के भजन सम्राट डॉ. मोहन तनेजा भजनों की वर्षा करेंगे।

रामायण ज्ञान यज्ञ की पूर्णाहुति पर सत्संग आज

हिसार। नवरात्रों के उपलक्ष में राम शरणम्-अर्बन एस्टेट-II में 6 अप्रैल को राम नवमी के अवसर पर रामायण ज्ञान यज्ञ की पूर्णाहुति की जाएगी। सेवादार एल.डी. पोपली ने बताया कि इस दिन प्रातः 8:00 बजे से लेकर 10:00 तक सत्संग होगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर जालंधर से रामायण ज्ञान यज्ञ का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

स्वदेशी जागरण मंच का नयोग शिविर आज से

हिसार। पतंजलि योग समिति के सहयोग से स्वदेशी जागरण मंच द्वारा 6 अप्रैल से आयोजित किए जाने वाले आठ दिवसीय निशुल्क योग शिविर की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। स्वदेशी जागरण मंच के प्रांतीय प्रचार प्रमुख अनिल गोयल ने बताया कि क्लॉथ मार्केट के पास स्थित जिंदल पार्क में 6 से 13 अप्रैल तक चलने वाले इस योग शिविर का शुभारंभ 6 अप्रैल को एचएयू के कुलपति डॉ. बी. आर. काम्बोज करेंगे।

एक दिवसीय राज्य स्तरीय प्रायोगिक कार्यशाला में बोले मुख्य अतिथि

लोगों में फिजियोथैरेपी के प्रति बढ़ रही जागरूकता: डॉ. अलका

हरिभूमि न्युज ▶▶| हिसार

महाराजा अग्रसेन कॉलेज ऑफ़ फिजियोथैरेपी द्वारा फिजियोथेरेपी की विभिन्न नवीनतम तकनीकों पर आधारित एक दिवसीय राज्य स्तरीय प्रायोगिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्यातिथि डॉ. अलका छाबड़ा व विशिष्ट अतिथि डॉ. आशुतोष शर्मा रहे। कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित फिजियोथेरेपिस्ट ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस दौरान डॉ दीपक छाबड़ा ने ड्राई नीडलिंग, डॉ सुनील गर्ग ने सर्वाइकल से जुड़े विषयों पर, डॉ आशीष त्यागी ने कमर दर्द के विषयों पर तो वही डॉ अनूपमा ने पैल्विक मांसपेशियों से जुड़े विषयों पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस दौरान मुख्यातिथि व महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज की निदेशक डॉ. अलका छाबड़ा ने कहा कि फिजियोथैरेपी को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ रही है जिसके चलते लोग अब दवाइयों को छोड़कर वर्जिश के ज़रिए स्वस्थ रहने के लिए फिजियोथैरेपी का सहारा ले रहे हैं। नवीनतम तकनीकों पर आधारित यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए भी लाभदायक साबित होगी।

हिसार। कार्यशाला में उपस्थित मुख्यातिथि डॉ. अलका छाबड़ा व अन्य स्टाफ सदस्य।

ये मौजूद रहे

फिजियोथैरेपी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ पवन अग्रवाल ने बताया कि राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला में राज्यभर से 130 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कार्यशाला में डॉ. निधि अग्रवाल, डॉ. शालू रानी, डॉ. अमनदीप, डॉ. नवीन, डॉ. ज्योति, डॉ. प्रीति, डॉ. अमित नैन, डॉ. रजनीश व अन्य महाविद्यालयों से आए अतिथिगण व विद्यार्थी मौजूद रहे।

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में हवन का आयोजन

हरिभूमि न्युज ▶▶| हिसार

उकलाना ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में नए सत्र का शुभारंभ यज्ञ हवन के साथ किया गया। प्रार्थना सभा में आयोजित हवन में विद्यालय के चेयरमैन डॉ. सतीश भारती, प्रधानाचार्य शैलेश कुमार एडमिनिस्ट्रेटर चार्ल्स. जे . ओस्टा. बीर सिंह सहित समस्त शिक्षक और विद्यार्थियों ने भाग लिया और समर्पित भाव से यज्ञ मेंआहुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। ऑक्सफोर्ड स्कूल के बच्चों ने गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ पूरे परिसर को दिव्य ऊर्जा के साथ गुंजायमान किया। यज्ञ की पूर्ण आहुति के पश्चात सभी को प्रसाद वितरित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य पद पर नियुक्त हुए शैलेश कुमार ने अपना परिचय व अनुभव साझा किया अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को अनुशासन में रहने व कड़ी मेहनत से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया!

सिसाय की बेटी ने मुक्केबाजी में जीता स्वर्ण पदक

■ 29 मार्च से 3 अप्रैल तक आयोजित हुई प्रतियोगिता

17 से जॉर्डन में एशियन मुक्केबाजी चैंपियनशिप में लेगी भाग

हरिभूमि न्युज ▶▶| हांसी

रोहतक एनबीए में 29 मार्च से 3 अप्रैल तक आयोजित सब जूनियर नेशनल मुक्केबाजी प्रतियोगिता में शहीद भगत सिंह बाक्सिंग अकेडमी की खिलाड़ी सवी कालीरामण ने स्वर्ण पदक जीता। पदक विजेता खिलाड़ी का शनिवार को गांव पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

कोच विनय ने बताया कि सवी ने हरियाणा की तरफ से खेलते हुए 40 किलोग्राम भारती में ये सफलता हासिल की। उन्होंने बताया की सवि कालीरमण ने अपनी सभी मुकाबलों में अपने प्रतिद्वंद्वियों पर 5-0 से जीत हासिल की तथा फाइनल में राजस्थान की बाक्सर को नाक आउट कर स्वर्ण पदक जीता। कोच ने बताया की सवी कालीरामण का सब जूनियर नेशनल मुक्केबाजी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर उसका एक मई से जॉर्डन में होने वाली सब जूनियर एशियन मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि सवी 4 से 16 अप्रैल तक पटियाला में प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के बाद 17 अप्रैल से 2 मई तक जाईन (अमान) में होने वाली सब जूनियर एशियन चैंपियनशिप भाग लेगी।

इस अवसर पर सवी के पिता दीपक कालीरामण ने कहा कि उसे अपनी बेटी पर गर्व है।

इस अवसर पर अजय सिहाग, अमरजीत इंस्पेक्टर, अमित सैनी, संदीप, विपिन, सर्वेश सैनी, विकास डीपी, बलबीर आदि सवी को स्वर्ग पदक जीतने पर एशियन मुक्केबाजी में पदक जीतने पर शुभकामनाएं दी।

हांसी। मुक्केबाजी चैंपियनशिप में सवी को विजेता घोषित करता अंपायर।

ड्रग तस्करी का नेटवर्क तोड़ने के प्रयासों की समीक्षा

एनडीपीएस एक्ट के 282 मामले दर्ज 446 को किया गिरफ्तार : एडीजीपी

हरिभूमि न्युज ▶▶| हिसार

हिसार रेंज के एडीजीपी डॉ. एम. रवि किरण ने रेंज पुलिस द्वारा ड्रग तस्करी का नेटवर्क तोडने के लिए किए जा रहे प्रयासों व परिणामों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि हिसार रेंज में ड्रग की समस्या पर अंकुश लगाने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं।

ड्रग तस्करी का नेटवर्क तोड़ने के लिए तस्करों के खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्रवाई करके उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने रेंज के सभी पुलिस अधीक्षकों को नशा तस्करों के खिलाफ लगातार सख्ती बनाए रखने के निर्देश दिए।

एडीजीपी ने बताया कि इस दिशा मे कार्रवाई करते हुए रेंज पुलिस ने इस वर्ष 31 मार्च तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 282 मामले दर्ज किए गए तथा 446 अभियुक्तों को ड्रग तस्करी के जुर्म में गिरफ्तार करके जेल पहुंचाया है। पिछले वर्ष 2024 में इसी अवधि के दौरान उक्त एक्ट के तहत 227 मामले दर्ज किए गए थे। उन्होंने बताया कि रेंज में एनडीपीएस एक्ट के तहत इस वर्ष 31 मार्च तक 282 केस दर्ज हुए है, जो जिलानुसार क्रमशः हिसार में 27, हांसी में 14, जींद में 19, सिरसा में 96, डबवाली में 88 व जिला फतेहाबाद में 38 मामले दर्ज किए गए हैं। इन मुकदमों में हिसार जिले में 44, हांसी में 26, जींद में 31, सिरसा में 142, डबवाली में 138 व फतेहाबाद में 65 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एडीजीपी ने बताया कि इस दौरान रेंज पुलिस द्वारा लगभग 24.2 किलोग्राम अफीम, 1214 किलोग्राम डोडा पोस्त, 4.6 किलोग्राम चरस, 131 किलोग्राम गांजा, 27 ग्राम स्मैक व 12 किलो 560 ग्राम हेरोइन बरामद की गई।

डॉ. एम. रवि किरण, एडीजीपी।

हिसार। सम्मानित करते जिंदल स्टेनलेस हिसार के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और इकाई के प्रमुख विजय बिंदलिश। फोटो :हरिभूमि

रोमांचक मुकाबले में सीआरडी लायंस जीता

हिसार। जेएसएल हिसार ने अपने आठवें प्रो कबड्डी टूर्नामेंट का समापन एक रोमांचक मुकाबले के साथ किया। इस सीजन के फाइनल मैच में सिक्योरिटी ग्लैडिएटर्स और सीआरडी लायंस के बीच तगड़ी टक्कर देखने को मिली। मैच के दौरान दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और अंत में स्कोर 44-44 अंक पर टाई हो गया। इस टाई को तोड़ने के लिए पांच मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया, जिसके बाद सीआरडी लायंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। जिंदल स्टेनलेस हिसार के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और इकाई के प्रमुख विजय बिंदलिश ने कहा कि जिंदल स्टेनलेस हमेशा एकता और खेल भावना को संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह टूर्नामेंट हमें एकजुटता और सहयोग की भावना को सशक्त करने का अवसर प्रदान करता है। जिंदल स्टेनलेस हिसार का यह टूर्नामेंट न केवल कबड्डी के खेल को प्रोत्साहितकरता है, बल्कि टीम वर्क, सहयोग और उत्साह के साथ खेल भावना को भी मजबूत करता है।

मुकलान में राज्य स्तरीय एनएसएस शिविर के समापन

सेवा, संस्कार, सजगता सिखाता है एनएसएस : गोदारा

हरिभूमि न्युज ▶▶| हिसार

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुकलान में आयोजित राज्य स्तरीय एनएसएस शिविर के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि की भूमिका में प्रख्यात शिक्षाविद् गूगन राम गोदारा ने स्वयंसेवकों से संवाद करते हुए उन्हें शिक्षा, सेवा, संस्कार, स्वास्थ्य, स्वालंब, सजगता, सहयोग के लिए एन एस एस की गतिविधियों को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कई प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए समाजहित में अपनी सकारात्मक ऊर्जा का सदुपयोग करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि की भूमिका में खंड शिक्षा अधिकारी अनिल नेहरा व प्राचार्य दिलीप सिंह उपस्थित रहे। जिला संयोजक नरेंद्र दुहन ने शिविर में आयोजित गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सात दिवसीय शिविर में सोनीपत, रोहतक, जींद, फतेहाबाद तथा हिसार जिले के 200 स्वयंसेवकों ने व्यक्तित्व विकास की विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी की। कार्यक्रम में पेंटिंग, स्लोगन, निबंध, मेंहदी, नुक्कड़ नाटिका, डायरी लेखन, व विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के श्रेष्ठ विजेता स्वयंसेवक मेडल व शील्ड प्रदान कर सम्मानित किए।

स्वयंसेवकों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि व अन्य अधिकारी।

ईमानदारी व न्यायपूर्वक कमाया गया धन ही पवित्र : संतोषी माता

हरिभूमि न्युज ▶▶| हिसार

ईमानदारी व न्यायपूर्वक कमाया गया धन ही पवित्र है ऐसे धन से अर्जित रोटी, कपड़ा और मकान आदि परिवार के लिए सुख व समृद्धि लाने का कारण बनते हैं। बेईमानी से उपार्जित धन परिवार में दुख, कलेश व बीमारियां लाने का काम करता है। इसलिए मनुष्य ईमानदारी से धन कमाए और अच्छे धार्मिक व सामाजिक कार्यों पर खर्च करें। यह बात महामंडलेश्वर संतोषी माता ने श्री आद्यशक्ति पीठ मां संतोषी आश्रम में आध्यात्मिक प्रवचनों के सप्तम दिवस पर कही। उन्होंने कहा कि जो बीज जमीन में बो दिया जाता है वह अंकुरित अवश्य होता है। जैसा बीज बोओगे, उसका फल भी वैसा ही होगा। जैसे बबूल के पेड़ पर आम नहीं लग सकते वैसे ही मनुष्य जैसे कर्म करेगा और उसे वैसा ही फल मिलेगा। इस अवसर पर पीठ कमेटी के प्रधान सीए गौतम अग्रवाल, कोषाध्यक्ष लोकनाथ सिंगल, प्रवक्ता रमेश चुघ, वेद बंसल, राजमल काजल, सुभाष बंसल, अनिल महता डॉ. मनोज सोनी व सुशील बुडाकिया सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गुजवि में मेगा जॉब एवं समर इंटर्नशिप फेयर 'करियर वर्स 2025' का अनावरण

हरिभूमि न्युज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 18 व 19 अप्रैल को मेगा जॉब फेयर सह समर इंटर्नशिप फेयर 'करियर वर्स 2025' का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस आयोजन के पोस्टर एवं फोल्डर को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया। इस दौरान कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई की अध्यक्षता में विभागाध्यक्षों की एक बैठक हुई। इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य विश्वविद्यालय, संबद्ध महाविद्यालयों और क्षेत्र भर के अन्य संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए एक शानदार रोजगार और इंटर्नशिप मंच प्रदान करना है। कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने बताया कि जॉब फेयर के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न समितियों का गठन भी किया गया है। प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने बताया कि करियर वर्स 2025 के पहले दिन बीटेक, एमबीए, एमसीए, बीफार्मा, एमफार्मा, बीपीटी, एमपीटी और एमएससी कार्यक्रमों से पेशेवर उम्मीदवारों की तलाश करने वाली कंपनियों द्वारा इंटरव्यू लिए जाएंगे, जबकि दूसरा दिन बीए, बीकॉम, बीएससी, एमए व अन्य विषयों के उम्मीदवारों सहित विविध भूमिकाओं के लिए भर्ती करने वाली कंपनियों के लिए खुला होगा।

हिसार। करियर वर्स 2025' मेगा जॉब फेयर के पोस्टर का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

विद्यालय प्रधान ने दी शुभकामनाएं

दुर्गाष्टमी पर एलडीएसडी पब्लिक स्कूल में किया कंजक पूजन

हरिभूमि न्युज ▶▶| हांसी

पीसीएसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की शाखा एलडीएसडी पब्लिक स्कूल में शनिवार को चैत्र नवरात्र की दुर्गाष्टमी के उपलक्ष्य में दुर्गा के नौ रूपों की पूजन किया गया। विद्यालय की छोटी-छोटी कन्याओं को मां के नौ रूपों में सजाकर उनकी विधि पूर्वक पूजा की गई व और उन्हें प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रधान नीरज बंसल ने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं दी। तथा विद्यालय मुख्याध्यापिका मंजू रानी ने सभी को मां के नौ रूपों की जानकारी देते हुए बताया कि माता के उपवास मात्र एक शब्द नहीं हैं बल्कि इसलिए भी रखे जाते हैं ताकि मां के आशीर्वाद से हम उनकी भांति शक्ति, बुद्धि और ज्ञान आदि प्राप्त कर सकें तथा साथ ही यह हमारे शरीर को सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण करता है।

हांसी। दुर्गाष्टमी पर कंजक पूजन करती स्कूल प्राचार्या मंजू रानी व अन्य।

रामनवमी शोभा यात्रा में आज निकलेंगी भव्य झांकियां, अखाड़े के खेल रहेंगे आकर्षण का केंद्र

श्रीराम कथा में शबरी प्रसंग सुनाकर चिन्मयदास ने प्रभु भक्ति के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्युज ▶▶| हिसार

श्रीराम कथा समिति द्वारा हिसार के महाराजा अग्रसेन भवन में मनाए जा रहे रामनवमी महोत्सव व श्रीराम कथा में उड़ीसा से पधारे कथा व्यास महंत चिन्मयदास महाराज ने छठे दिन शबरी प्रसंग, श्रीराम-सुग्रीव मिलन व सुंदरकांड प्रसंग का जीवंत वर्णन करके अभिभूत कर दिया। इस दिन प्रातः अग्रसेन भवन में हवन करके शोभा यात्रा की शुरूआत की जाएगी। यह शोभा यात्रा विभिन्न बाजारों से होते हुए वापस अग्रसेन भवन पहुंचेगी। इस दौरान भव्य झांकियां निकाली जाएंगी और अखाड़े के खेल विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। श्रीराम कथा समिति के पदाधिकारी सुरेंद्र लाहौरिया, राजेश बंसल व शक्ति अग्रवाल ने बताया कि श्रीराम के कथा के छठे दिन कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा मुख्यातिथि रहे। इस अवसर पर हकृवि के कुलपति डॉ. बलदेवराज कंबोज, आयकर उपायुक्त आर. एस. बूरा, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, योगेश मित्तल, शशि लोहिया आदि उपस्थित रहे।

जय श्रीराम के उदघोष से गूंज उठा पंडाल

महंत चिन्मयदास ने शबरी प्रसंग के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रभु भक्ति में मन लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शबरी की निष्काम व निस्वार्थ भक्ति देखकर श्रीराम ने उन पर अपनी अनुकंपा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कथा के दौरान शबरी पर श्रीराम की अनुकंपा देखकर उपस्थित श्रद्धालु भावुक हो गए और अग्रसेन भवन का पंडाल जय श्रीराम के उदघोष से गूंज उठा। इस दौरान अशोक वाटिका में हनुमान जी के फलाहार की झांकी की सुंदर प्रस्तुति दी गई। अशोक वाटिका में सुसज्जित फलों को तोडकर हनुमान जी के प्रतिरूप ने श्रद्धालुओं में बांटकर उनका उत्साहवर्धन किया। छह अप्रैल की भव्य रामनवमी शोभा यात्रा की तैयारियां चरम पर

फसल को सुखाकर व साफ करके मंडी में लाएं : एसडीएम

बरवाला। एसडीएम डॉ. वेद प्रकाश बेनीवाल ने किसानों से अनाज मंडी में अपनी फसल को सूखाकर व साफ करके लाने की अपील की है ताकि सरकार किसान की फसल तुरंत प्रभाव से खरीद सके। अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में एसडीएम बेनीवाल ने कहा कि अनाज मंडी में पीने के पानी और बिजली तथा शैड व अटल कैंटीन की व्यवस्था सुचारू रूप से की गई है। किसानों को फसल बेचने संबंधी कोई परेशानी न आए। इस बाबत परचेज एजेंसी को भी दिशा निर्देश दे दिए गए हैं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 6 अप्रैल 2025

बीते वर्ष रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में सूर्य किरणों से नवप्रतिष्ठित रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया था। आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला के सूर्य तिलक की योजना बनाई गई है। ऐसा कैसे संभव होगा, इसके लिए कैसे तकनीक काम करेगी और देश-विदेश में ऐसा और कहां हो चुका है? इस बारे में विस्तार से जानिए।

श्रीरामलला के ललाट पर नियमित होगा सूर्य तिलक

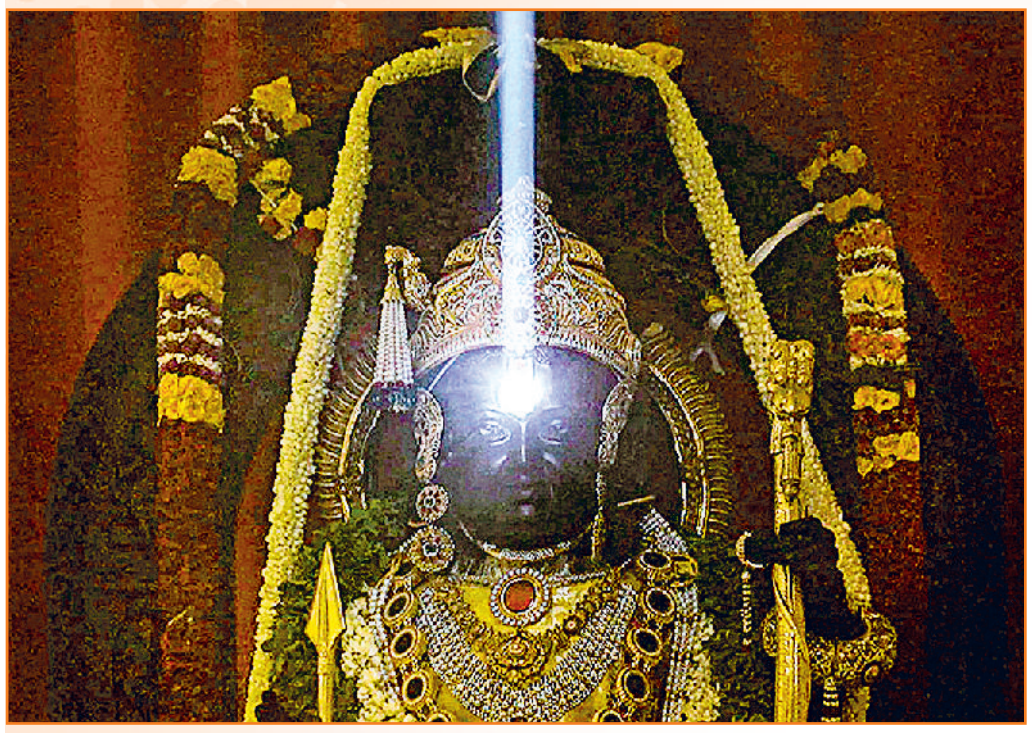

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

आज से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला का प्रतिदिन सूर्य तिलक होगा। यह फैसला मंदिर निर्माण समिति ने लिया है। इसके तहत करीब 4 मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के ललाट को सुशोभित किया करेंगी। समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक हर दिन सूर्य तिलक की प्लानिंग अभी अगले 20 सालों तक के लिए की गई है।

गौरतलब है कि पिछले साल रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल, 2024 को पहली बार रामलला का राजतिलक सूर्य की किरणों से किया गया था, जिसे 'सूर्य तिलक' कहा गया। इसकी वैज्ञानिक तकनीक मुख्य रूप से प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन के सिद्धांतों पर आधारित है।

कैसे किया गया सूर्य तिलक

सूर्य तिलक के लिए सबसे पहले संग्रहण लेंस और दर्पणों की मदद से सूर्य की किरणों को एक नियत स्थान पर केंद्रित किया गया। यह सूर्य की स्थिति की सटीक खगोलीय गणना और इंजीनियरिंग का कमाल था, जिससे दर्पणों और लेंसों को एक खास कोण पर स्थापित किया गया, जिससे सूर्य की किरणें सीधे रामलला के मस्तक पर सुशोभित हुईं। इस समूची प्रक्रिया में सौर संरेखण और भारतीय खगोलशास्त्र के सटीक ज्ञान का प्रयोग किया गया। पहले ऐसा करना हर वर्ष रामनवमी के दिन के लिए प्रस्तावित था। लेकिन आज रामनवमी से अगले 20 सालों तक हर दिन ऐसा होगा।

पहले भी हुआ है ऐसा

मुगलों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के पहले तक ओडिशा स्थित कोणार्क के सूर्य मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक भी सूर्य की पहली किरणें पहुंचती थीं। लेकिन वहां किसी प्रतिमा के मस्तक पर सटीक तिलक नहीं होता था। इसी तरह महाराष्ट्र के कोराडी मंदिर में भी सूर्य की किरणें एक विशेष दिन गर्भगृह में प्रवेश करती हैं। ऐसे ही मदुरै (तमिलनाडु) के मीनाक्षी मंदिर में भी सूर्य की रोशनी गर्भगृह तक पहुंचती है। बृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर) में भी विशेष संरेखण के जरिए शिवलिंग पर एक निश्चित समय सूर्य की रोशनी गिरती है। लेकिन इन सभी मंदिरों में किसी मूर्ति के सटीक मस्तक पर तिलक होने की तकनीक पहले कभी नहीं थी, जिस तरह की तकनीक से अयोध्या में रामलला के मस्तक को सुशोभित किया जा रहा है। ऐसी विशिष्ट तकनीक पहली बार प्रयोग की गई है। इससे पहले की सारी तकनीकें प्रकाश संरेखण के जरिए सूर्य की किरणों को गर्भगृह पहुंचाने तक ही सीमित थीं।

कोणार्क का सूर्य मंदिर

अनोखी है यह तकनीक

यह तकनीक वास्तव में इंजीनियरिंग और खगोलशास्त्र का संगम है। इस तकनीक में खगोलशास्त्र और भौतिकी (प्रकाश) विज्ञान का एक साथ उपयोग किया गया है। वास्तव में यह दुर्लभ संरेखण यानी रेयर एलाइनमेंट, बेहद सटीक काल गणना और दर्पण-लेंस प्रणाली के बेहतरीन समन्वय का नतीजा होती है। पहली बार किसी मंदिर में यह सूर्य किरण तिलक धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बना है। सूर्य तिलक बेहद जटिल तकनीकी है। केवल किसी खास दिन, केवल कुछ निश्चित क्षणों के लिए इसे सुनिश्चित करना भी बड़ी विशेषज्ञता है।

ऐसे होगा हर दिन सूर्य तिलक

चूंकि आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला का सूर्य तिलक किया जाना प्रस्तावित है, इसलिए मन में ऐसे सवाल उठने स्वाभाविक हैं कि जिस दिन सूर्य उगने के समय बारिश हो रही होगी, धुंध और कोहरा छाया होगा, उस दिन यह सब कैसे संभव होगा? जानकारों के मुताबिक अगर किसी दिन बारिश, बादल या मौसम की खराबी के कारण सूर्य दिखाई नहीं देगा, उस दिन यदि सूर्य तिलक की तकनीक पूरी तरह से प्रत्यक्ष सूर्य प्रकाश पर निर्भर होगी तब तो उस दिन सूर्य तिलक संभव नहीं होगा। चूंकि खगोलीय घटनाएं स्वाभाविक रूप से मौसम पर निर्भर होती हैं, इसलिए दुनिया के किसी भी स्थान पर 100% ऐसा करना प्राकृतिक ढंग से सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। लेकिन इसे बिना प्रत्यक्ष सूर्योदय के भी 100 फीसदी विभिन्न वैज्ञानिक तकनीक से संभव है। इसके लिए कुछ वैकल्पिक तकनीकी समाधान अपनाए जा सकते हैं, जैसे आर्टिफिशियल लाइटिंग सिस्टम। जिस तरह से सौर ऊर्जा संयंत्रों में सोलर लैंप का उपयोग किया जाता है, उसी तरह एक विशेष प्रकार की प्रकाशीय व्यवस्था यहां भी की जा सकती है। यह एलईडी या लेजर तकनीक का उपयोग कर सूर्य के प्रकाश का कृत्रिम रूप तैयार कर सकती है, जिससे तिलक की परंपरा जारी रह सके। रिफ्लेक्टर मिरर सिस्टम से भी यह संभव है। यदि किसी दिन प्रत्यक्ष सूर्योदय न हो तो इसके लिए पिछले दिनों के एकत्रित प्रकाश का उपयोग किया जा सकता है।

होलोग्राम तकनीक का विकल्प

एक अन्य विकल्प थ्री डी प्रोजेक्शन या होलोग्राम तकनीक भी हो सकती है, जो तिलक के प्रभाव को ठीक वैसे ही दिखाएगी, जैसा वास्तविक सूर्य तिलक के दौरान होता है। हालांकि मंदिर प्रशासन ने अब तक किसी आपातकाल में कृत्रिम विकल्प अपनाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन भविष्य में यदि भक्तों की मांग बढ़ती है, तो कृत्रिम रोशनी या वैकल्पिक तकनीकों को शामिल किया जा सकता है।

और भी हैं तकनीकें

कई बार ऐसा भी होता है कि मौसमी परिस्थितियों के चलते सामान्यतः सूर्य उगता हुआ नहीं दिखता, लेकिन वैज्ञानिक तथ्य यही होता है कि तब भी सूरज बादलों के पार उगा होता है और उसकी रोशनी किसी न किसी रूप में धरती पर आ रही होती है। यानी, नियत समय पर तब भी सूर्य अपनी जगह पर उग चुका होता है। वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से इस रोशनी का इस्तेमाल सूर्य तिलक के लिए संभव है। इसके लिए आधुनिक प्रकाशीय तकनीकों (ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी) और सौर ऊर्जा संग्रहण प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। ऑप्टिकल सेंसर और रिले मिरर के साथ-साथ सोलर ट्रैकिंग सेंसर के जरिए जब सूरज उगा हुआ न दिखे तब भी यह संभव है। क्योंकि ये सेंसर सूर्य की स्थिति को ट्रैक करते हैं, भले ही वह बादलों के पीछे छिपा हो। ऐसे में सूर्य की हलकी सी रोशनी को भी ये सेंसर विशेष दर्पण प्रणाली की मदद से मूर्ति के मस्तक तक पहुंचा सकते हैं। इस तकनीक में फाइबर ऑप्टिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है और सूरज की धुंधली रोशनी को भी केंद्रित किया जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से बादलों के बावजूद सूर्य तिलक संभव किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सोलर ट्रैकिंग, रिले मिरर जैसी लेजर तकनीकों का उपयोग करना होगा। *

दुनिया में और कहां होता है ऐसा

किसी प्रतिमा पर सूर्य किरण से तिलक करने की घटना एक अन्य देश में भी होती है। अबू सिंबल मंदिर (मिस्र) में हर वर्ष 22 फरवरी और 22 अक्टूबर को सूर्य की किरणें सीधे फराओ रामसेस द्वतीय की मूर्ति पर पड़ती हैं। लेकिन मूर्ति के मस्तक जैसे किसी एक विशेष स्थान पर सटीक ढंग से महज कुछ मिनटों के लिए सूर्य की किरणें नहीं गिरतीं जैसे कि अयोध्या के राम मंदिर में प्रतिष्ठित रामलला की मूर्ति के ललाट पर गिरती हैं।

रामनवमी विशेष

राम नाम की महिमा अपार

दो अक्षरों से निर्मित 'राम' नाम की महिमा की थाह अपार, अनंत और कल्याणकारी मानी जाती है। पुराणों से लेकर धार्मिक साहित्य में भी इस नाम की महत्ता का गुणगान मिलता है। अनेक देशों में राम नाम के नगर और राम नाम धारी अनोखे बैंक इसे प्रमाणित करते हैं।

महात्म्य
शिखर चंद जैन

आपने यह भजन तो अवश्य सुना होगा, 'राम से बड़ा राम का नाम।' यह सुनकर आश्चर्य हो सकता है कि भला प्रभु राम का नाम, उनसे भी बड़ा कैसे हो सकता है! लेकिन यह बात महान ऋषि, मुनि, विद्वान और धर्माचार्य भी कहते रहे हैं। राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादू दयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। प्रभु श्रीराम का नाम सुमिरन करते हुए, नाम जप करते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं। कई पुराणों में भी इस तरह का उल्लेख किया गया है कि कलयुग में राम नाम का जप ही लोगों को भवसागर से पार ले जाने वाला सिद्ध होगा।

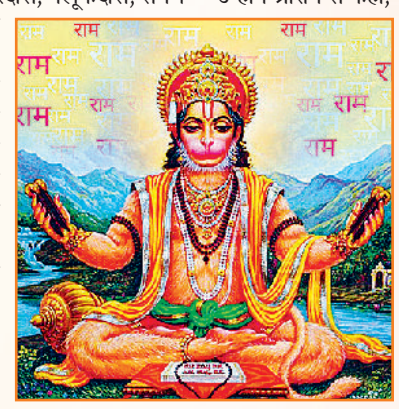

शिव भी जपते राम का नाम

पौराणिक मान्यता है कि राम नाम की महिमा का वर्णन शिवजी से सुनकर माता पार्वती भी उनका नाम जप करती हैं। शिवजी हनुमानजी का अवतार लेकर भी राम का नाम ही जपते रहते हैं। रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने राम नाम की महिमा का कई जगहों पर वर्णन किया है-

महामंत्र जोइ जपत महेसू। कासी मुकुति हेतु उपदेसू॥
महिमा जासु जान गनराऊ। प्रथम पूजिअत नाम प्रभाऊ॥

अर्थात जो महामंत्र है, जिसे महेश्वर श्री शिवजी जपते हैं और उनके द्वारा जिसका उपदेश काशी में मुक्ति का कारण है तथा जिसकी महिमा को गणेशजी जानते हैं, जो इस 'राम' नाम के प्रभाव से ही सबसे पहले पूजे जाते हैं। एक अन्य स्थल पर वे कहते हैं-

रामनाम कि औषधि खरी नियत से खाय,
अंगरोग व्यापे नहीं महारोग मिट जाए।

अर्थात, राम नाम का जप एक ऐसी औषधि के समान है, जिसे अगर सच्चे हृदय से जपा जाए तो सभी आदि-व्याधि दूर हो जाती हैं, मन को परम शांति मिलती है।

स्वयं प्रभु को हुआ अचरज

राम नाम की महिमा का एक प्रसंग बहुत चर्चित है। आपने भी रामायण में पढ़ा होगा कि रामसेतु के निर्माण के समय हर पत्थर पर राम नाम लिखा जा रहा था और हर कोई राम नाम का जयघोष कर रहा था। राम के नाम लिखे पत्थर जब तैरने लगे तो प्रभु श्रीराम भी आश्चर्य में पड़ कर सोचने लगे। उन्होंने सोचा कि जब मेरे नाम लिखे पत्थर तैरने लगे हैं तो यदि मैं कोई पत्थर फेंकता हूं समुद्र में तो उसे भी तैरना चाहिए। मन में यही विचार करके उन्होंने भी एक पत्थर उठा लिया, जिस पर राम का नाम नहीं लिखा था और उसे समुद्र में फेंक दिया, लेकिन वह पत्थर डूब गया। भगवान श्रीराम आश्चर्य में पड़ गए कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? दूर खड़े हनुमानजी यह सब देख रहे थे। उन्होंने श्रीराम से कहा, 'प्रभु! आप जिस दुविधा में हैं उसका उत्तर मैं देता हूं। हे प्रभु! आपके नाम को धारण कर तो सभी अपने जीवन की नैया को पार लगा सकते हैं, लेकिन जिसे आप स्वयं त्याग रहे हैं, उसे डूबने से भला कोई कैसे बचा सकता है?'

पाप-अज्ञान से मिले मुक्ति

राम के नाम में इतनी शक्ति है कि उनके नाम का जप करते हुए वाल्मीकि, देवतुल्य ऋषि और तुलसीदास, अज्ञानी से महान ज्ञानी-संत कवि बने।

दुनिया भर में व्याप्त राम का नाम

भगवान राम के नाम का डंका भारत भूमि पर ही नहीं, बल्कि विदेशी धरती पर भी बजता है। एक अध्ययन के मुताबिक राम, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूज्यनीय हैं। हॉलैंड का महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय ऐसा नक्शा बना रहा है, जिसमें राम के नाम से जुड़े करीब एक हजार नगर हैं, इस पर काम चल रहा है। राम नाम से दुनिया के अनेक देशों में नगर मौजूद हैं। इनमें शामिल हैं- ऑस्ट्रेलिया-रामसे, अलास्का-रामीज, बेल्जियम-इवोज रामेट, रामसेल, अफगानिस्तान-रामबुत, जर्मनी-रामवर्ग, रामस्टीन, रामबो, जिंबाब्वे-रामक्काड, लीबिया-रामलहर, लेबनान-रामाथी, सीरिया- रामर, रामट, मैक्सिको-रामीनेज, रामोनल, केन्या-रामा, रामी, डेनमार्क-रामी, रामसी, रामटेनऑ, अमेरिका-रामपो, रामह, रामरीटो, रामीरेज, इराक-रमन, रामूटा, रामा, रामाला, ईरान-रामरोद, रामसार, रामिस्क, रामिया, रूस- रामासुख, रामेसा, रामेला, रामेस्फ, स्पेन- रामाल्स डला विक्टोरिया, इंग्लैंड-रामसगबेट, राम्सगिन, राम टेक्पासाइड, फ्रांस-रामट्यूवेल, सेंट रामवर्ट, सेंट रामबाउलर *

अनोखी आस्था : राम नाम का बैंक

बनारस की पावन धरती पर राम नाम की महिमा को समर्पित राम नाम का एक बैंक है। इस बैंक का नाम है 'राम रमापति बैंक'। यह देश में नित नए खुल रहे राम नाम बैंकों में से सबसे पुराना है। यहां 'राम नाम' का कर्ज भी मिलता है। इस बैंक को 1926 में दास छन्नूलाल ने स्थापित किया था। बैंक के नियम कायदे काफी कठोर हैं, जिनका पालन ग्राहकों को अनुशासित रूप से करना पड़ता है। हर ग्राहक को 500 बार रोज के हिसाब से 1,25,000 बार राम नाम लिखने का वादा करना पड़ता है, वह भी सुबह 4 बजे से शाम को 7 बजे के बीच की अवधि में। लेखन सामग्री और स्याही आदि सब बैंक द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है। लाल स्याही के पावडर को गंगा नदी के जल में घोलकर स्याही बनानी पड़ती है। इतने कड़े नियमों के बावजूद इस अनूठे बैंक के डेढ़ लाख आजीवन सदस्य हैं। भगवान की जन्मभूमि अयोध्या में भी अंतरराष्ट्रीय 'श्री सीताराम बैंक' है। यहां सभी भाषाओं में राम का नाम लिखा हुआ स्वीकार किया जाता है। इस बैंक की 101 शाखाएं हैं, जो न सिर्फ हमारे देश में बल्कि अमेरिका, कनाडा, नेपाल और फिजी में भी हैं।

नवगीत
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

गमलों के बरगद

छांव नहीं दे पाते हैं
गमलों के बरगद
उन्हें देखकर नागफनी
होती है गदगद।
कुछ भी करने पर बंदिश
हो, हाथ बंधे हों
जिस पर कलम चलाना हो
वो पत्र कंधे हों
नहीं मायने रखता
ऐसे में कोई पद।
अपने बूते चलने वाले
कम दिखते हैं
कुछ परबुधिया हो जाते हैं
कुछ बिकते हैं
लोग तय किया करते हैं
अब औरों की हद।
ठेढ़े पेड़ों को हरदम
कटना पड़ता है
बिना मोल के लोगों में
बंटना पड़ता है
जड़ें कटी हों जिसकी
घटता है उसका कद।
निर्भय होने पर ही चिड़िया
उड़ पाती है
खुले गगन से जीवन भर
फिर जुड़ पाती है
पंख तभी खुलते हैं जब
वो भरती है डग।

अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा कि ये घिबली क्या बला है!

कार्टून इंसान की कार्टून छवि

व्यंग्य
संदीप भटनागर

चुन्नी बाबू सुबह से छः बार कॉल कर चुके थे और हम बात करना टाल रहे थे। सोचा थोड़ी देर में खुद ही समझ जाएंगे लेकिन जब सातवीं बार फिर मोबाइल रिंग के साथ स्क्रीन पर उनका नाम चमका तो लगा कि उधर कुछ ज्यादा ही बेचैनी है।

फोन उठाते ही चुन्नी बाबू गरियाए 'अमां क्या अहमक आदमी हैं आप, एक ओर हमारी दोस्ती का दम भरते हैं और दूसरी ओर हमारे कॉल्स नजरअंदाज करते हैं? एक-दो कॉल हो तो ठीक है छः कॉल घोट कर पी गए। खुदा न खास्ता कोई इमरजेंसी हो तो हम तो तुम्हारे भरोसे नप ही जाएं। तुम्हारे इसी एटीट्यूड के कारण हमने हमारी संभावित 'फोन अ फ्रेंड' की लिस्ट में से तुम्हारा नाम डिलीट कर दिया है।'

चुन्नी बाबू पिछले कई सालों से हॉट सीट के चक्कर में लगे थे।

क्षणिक चुप्पी के बाद चुन्नी बाबू की गहरी सांस ने सिग्नल दिया कि अब बोलने की बारी हमारी है।

'ऐसी तो कोई बात नहीं चुन्नी बाबू कि हम आपका कॉल नजरअंदाज करें वो बस सुबह की मसरूफियत में आपके कॉल मिस कर बैठे, अब बताओ कौन सी इमरजेंसी आन पड़ी है?'

चुन्नी बाबू थोड़ा नॉर्मल होकर बोले, 'सुना है, तुमने अपने रिटायरमेंट के बाद लोगों को ज्ञान बांटने का काम चालू किया है?'

'अरे नहीं चुन्नी बाबू, हम क्या ज्ञान बांटेंगे? इस काम में तो अनेक सोशल मीडिया यूनिवर्सिटी और हजारों वाट्सएप समूहों के एडमिन और लाखों सदस्य दिन-रात लगे पड़े हैं। हमें तो बस कोई बुलाता है तो चले जाते हैं। इस बहाने अपना भी टाइम पास हो जाता है।'

'चलो ठीक है मान ली तुम्हारी बात, लेकिन उसके लिए तुम्हें दुनिया भर की खबर भी तो होनी चाहिए।' अब चुन्नी बाबू ज्ञान बांटने के मूड में लगे।

हमने कहा, 'हां इसी कोशिश में हम कुछ न कुछ पढ़ते-लिखते रहते हैं।'

'पढ़ना-लिखना सब पुराना ट्रेंड हो गया है, इससे कुछ नया हासिल होने वाला नहीं है। हर रोज नई-नई चीजें ट्रेंड हो रही हैं और तुम किताबों से माथा-पच्ची में लगे हो। पिछले कुछ दिनों से घिबली ने देश-दुनिया को हिलाकर रखा है।' चुन्नी बाबू ने हमें धिक्कारा।

हमें लगा कि म्यांमार और पड़ोसी देशों में आए विनाशकारी भूकंप के बाद यह कोई नई मुसीबत आई है। हमने अपने ज्ञान तंतुओं को एकत्रित कर पूछा, 'क्या घिबली कोई नया तूफान या चक्रवात है, जिसकी हमें खबर नहीं है?' बहुधा चक्रवात और तूफानों के इस तरह के नामकरण करने की परंपरा है।

चुन्नी बाबू हमारे अज्ञान पर तरस खाकर बोले, 'अपनी भूरी, मटमैली, नीरस किताबी दुनिया से बाहर निकल कर कुछ समय सोशल साइट्स की रंग-बिरंगी दुनिया में बिताओ तो पता लगे कि क्या हैशटैग हो रहा है और क्या ट्रेंड कर रहा है?'

हम अपनी गैर सामाजिक छवि पर शर्मिंदा हुए और समर्पण भाव से बोले, 'आप ही बता दीजिए कि घिबली क्या बला है, और इसका इतना शोर क्यों है?'

'जनाब इसका पूरा नाम घिबली स्टाइल पोट्रेट है, जो चैटजीपीटी का नया एआई टूल है।' चुन्नी बाबू ने अपनी ज्ञान की पोटली खोली।

'अच्छा! मतलब विज्ञान का तरक्की की ओर एक और कदम। यह हम इंसानों की किस तरह मदद करेगा?' हम चुन्नी बाबू के ज्ञान कुंड में गोता मारने की तैयारी में थे।

'यह इंसानों को कार्टून में बदल देता है।' चुन्नी बाबू के स्वर में उत्साह था।

हमने पूछा, 'आपने ट्राय किया?'

'हां किया और यही बताने के लिए तो सुबह से सात कॉल कर चुके हैं।'

हे भगवान! तो क्या अब चुन्नी बाबू की जगह उनके कार्टून से काम चलाना होगा और उनकी बीवी परम आदरणीय हमारी भाभी जी का क्या होगा? वो तो दिन भर में पचासियों बार उन्हें कार्टून घोषित करती रहती हैं। अब तो घोषित करने लायक कुछ रहा ही नहीं।

'मिलने पर हम आपको पहचान पाएंगे?' हमने अपनी शंका जाहिर की।

'हमें क्या हुआ है?' चुन्नी बाबू चौंक कर बोले।

हमने कहा, 'अरे! अभी तो आपने कहा कि आप घिबली के वश में आकर कार्टून बन गए हैं।'

चुन्नी बाबू हमारी नादानी पर खुल कर हंसते हुए बोले, 'अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। चलिए बहुत हुआ अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा।' कह कर चुन्नी बाबू ने फोन काट दिया।

हम सोच रहे थे कि तरक्की की होड़ में दौड़ते-हांफते कार्टून बन चुके इंसान की छवि को कार्टून बनाने में इतने पैसे खर्च क्यों किए? और कर भी दिए तो ये झुनझुना हमें क्यों थमा दिया? हमारे अपने झुनझुने कम थे क्या? अब बजाने के लिए यह झुनझुना मुफ्त में मिल ही गया है तो हम भी टूट पड़े उसे टूटने की हद तक बजाने के लिए।

बीते सप्ताह यह खबर भी आई कि ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाथ जोड़ कर इंसानों से विनती की है कि कार्टून बनने-बनाने की प्रक्रिया को धीमा करें ताकि उनके टूल्स लंबे समय तक प्रभावी रूप से इंसान की छवि को कार्टून बनाते रहें। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

विशेषः हनुमान जन्मोत्सव, 12 अप्रैल

धार्मिक स्थल / शिखर चंद जैन

वैसे तो रामभक्त हनुमानजी के अनेक मंदिर अपने देश में स्थित हैं। अपने देश के अलावा विदेशों में भी हनुमानजी के कई प्रतिष्ठित और अनूठे मंदिर हैं। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हम आपको देश-विदेश के कुछ अनूठे हनुमान मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

देश-विदेश में स्थित
हनुमान जी के अनूठे मंदिर

दत्तात्रेय मंदिर प्रांगण, त्रिनिडाड-टोबैगो

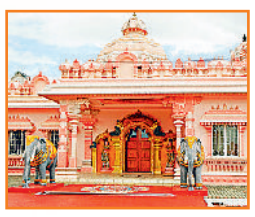

त्रिनिडाड-टोबैगो देश के कारापीचैमा/करापीचाइमा नामक स्थान में स्थित दत्तात्रेय मंदिर 9 जून 2003 को खोला गया था। इस मंदिर में हनुमान जी की 85 फीट ऊंची मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। साथ ही मूर्ति के आधार स्थल पर एक छोटा हनुमान मंदिर, दत्तात्रेय और अनघा देवी की प्रतिमाएं, राज राजेश्वरी, गणपति की प्रतिमा और शिव लिंग की भी स्थापना की गई है। भारत के बाहर मौजूद हनुमान जी की यह सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। दक्षिण भारत की द्रविड़ वास्तुकला शैली में इस हनुमान प्रतिमा का निर्माण किया गया है। मुख्य मंदिर में प्रवेश करने से पहले भक्तों के पैर धोने के लिए कंक्रीट से निर्मित हाथी की दो विशाल प्रतिमाओं से पानी उपलब्ध कराया जाता है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक गुंबद है, जिसमें सात अलग-अलग रंगों में विभिन्न प्रकार के वाद्ययंत्र बजाते हुए संगीतकारों की प्रतिमाएं मौजूद हैं। *

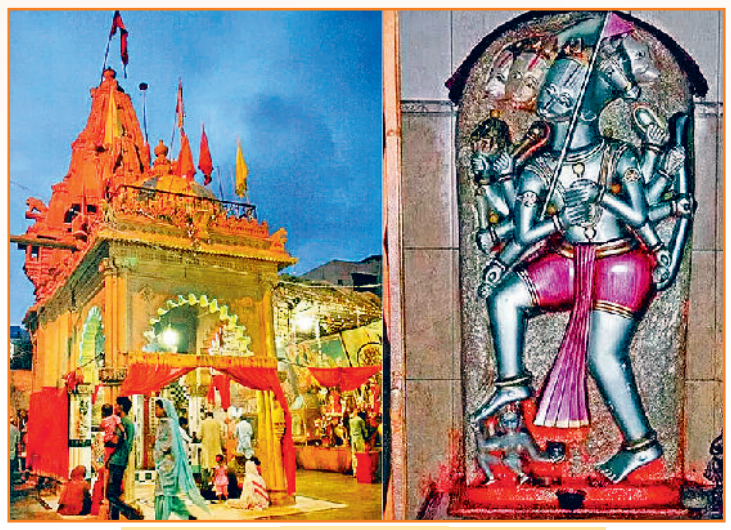

पंचमुखी हनुमान मंदिर, पाकिस्तान

आपको जानकर अचरज हो सकता है कि पाकिस्तान के कराची में स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर दुनिया के सबसे पुराने हनुमान मंदिरों में से एक माना जाता है। बताया जाता है कि यह मंदिर लगभग 1500 साल पुराना है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वनवास के दौरान भगवान राम उस स्थान पर आए थे, जहां यह मंदिर बना हुआ है। सदियों पहले खुदाई में यहां हनुमान जी की मूर्ति मिली थी। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां यह मूर्ति दैवीय शक्ति से प्रकट हुई थी। इसलिए यहां भव्य मंदिर बना दिया गया। साल 2019 में यहां हनुमान जी की 9 अन्य मूर्तियां प्राप्त हुई थीं। इस मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं में जिज्ञासा और आस्था बढ़ती ही जा रही है। पंचमुखी हनुमान मंदिर को पाकिस्तान में राष्ट्रीय विरासत का दर्जा भी मिला हुआ है। *

श्री आंजनेय मंदिर, मलेशिया

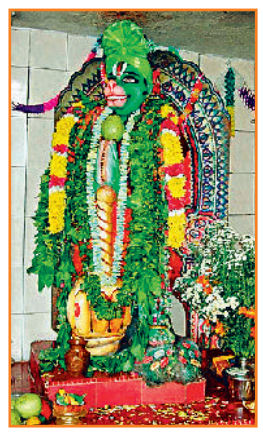

यह मंदिर मलेशिया के पोर्ट डिक्सन में स्थित है। अपने साथ जुड़ी रहस्यमयी कहानियों के कारण आंजनेय मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। ऐसा माना जाता है कि मंदिर में रखी हनुमान प्रतिमा ने खुद ही अपना चेहरा रामेश्वरम मंदिर (भारत देश में स्थित) की ओर मोड़ लिया था। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1996 में एक विदेशी फोटोग्राफर आंजनेय मंदिर की तस्वीरें क्लिक कर रहा था। जब वह कुछ और तस्वीरें क्लिक करने के लिए वापस लौटा तो उसने हनुमान जी की मूर्ति के शीष की दिशा में बदलाव देखा। यह देखकर वह अचरज में पड़ गया। उसने वहां उपस्थित लोगों से यह बात कही और तस्वीरें दिखाईं, तो सभी लोग इस चमत्कार से दंग रह गए। ध्यातव्य है कि रामेश्वरम भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है और इनकी स्थापना भगवान श्रीराम के द्वारा की गई मानी जाती है। *

जाखू मंदिर, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के जाखू में 8100 फीट की ऊंचाई पर मौजूद यह अत्यंत प्राचीन और जाग्रत हनुमान मंदिर, रामायण काल का बताया जाता है। इस मंदिर में 108 फीट ऊंची हनुमानजी की मूर्ति है। इस मंदिर और हनुमानजी की यह विशेष प्रतिमा देखने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि रावण के साथ युद्ध के दौरान जब लक्ष्मणजी मूर्छित हो गए थे और हनुमानजी उनके लिए संजीवनी बूटी लेने जा रहे थे, तभी उनकी नजर यहां तप कर रहे एक यक्ष ऋषि पर पड़ी। हनुमानजी जरा क्लांत और संशय में थे। संजीवनी बूटी की सही जानकारी हासिल करने के लिए वे यहां कुछ समय के लिए ठहरे थे। यक्ष ऋषि के नाम पर ही अपभ्रंश होता हुआ, इस मंदिर का नाम जाखू मंदिर पड़ गया। *

बाला हनुमान मंदिर, गुजरात

बाला हनुमान मंदिर, जिसे श्री बालहनुमान संकीर्तन मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, गुजरात के जामनगर में रणमल झील (लखोटा झील) के दक्षिण पूर्व में स्थित है। इस मंदिर में भगवान राम, सीताजी, लक्ष्मणजी और हनुमानजी की मूर्तियां हैं। 1 अगस्त, 1964 से मंदिर परिसर में दिन-रात राम धुन 'श्री राम, जय राम, जय जय राम' का जाप होता रहता है। इस चौबीसों घंटे चलने वाले अनुष्ठान को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। स्थानीय लोगों की मंदिर में गहरी आस्था है और उनका मानना है कि यह मंदिर उन्हें प्राकृतिक आपदाओं और जीवन के अन्य संकटों से बचाता है। *

भगवान श्रीराम का अवतारी जीवन हमें मर्यादा, आदर्श और नीति का पाठ तो पढ़ाता ही है। इसके साथ ही साथ कॉर्पोरेट क्षेत्र से जुड़े आज के दौर के युवा भी श्रीराम से सात ऐसे गुण सीख सकते हैं, जो उन्हें मनचाही सफलता दिला सकते हैं।

भगवान राम से सीखें
कॉर्पोरेट सफलता के सूत्र

प्रेरणा

लोकमित्र गौतम

भगवान राम न सिर्फ मर्यादा पुरुषोत्तम और नैतिक मूल्यों के प्रतीक हैं बल्कि उनके व्यक्तित्व में प्रबंधन के ऐसे गुण भी मौजूद हैं, जिन्हें सीखकर कोई भी युवा कॉर्पोरेट क्षेत्र में शानदार सफलता हासिल कर सकता है। ऐसे सात सूत्रों के बारे में हर युवा को जानना चाहिए।

नेतृत्व का गुणः भगवान राम न सिर्फ शक्तिवान हैं बल्कि वह एक समर्थ सेनापति और टीम लीडर भी हैं। राम-रावण युद्ध के नजरिए से देखें तो रावण के पास अपार सेना और युद्ध के सारे संसाधन थे, लेकिन जिस तरह भगवान राम अपनी थोड़ी सी भालू, बंदरों की सेना को उच्चस्तरीय प्रबंधन करते हुए रावण की विशाल सेना को हरा देते हैं, उनमें नेतृत्व क्षमता को साबित करता है। कॉर्पोरेट जगत में युवा अपनी टीम को स्पष्ट दृष्टि देने के लिए भगवान राम से यह गुण सीख सकते हैं। किस तरह अपनी टीम को प्रेरित किया जाए और कैसी विस्तृत रणनीति से सफलता सौ फीसदी हासिल की जाए?

कार्य विभाजनः रावण से युद्ध के पहले श्रीराम जानते थे कि उनके पास छोटी-सी सेना है। इसलिए उन्होंने सैनिकों में इस तरह काम का विभाजन किया कि सफलता हासिल हो। उन्होंने लक्ष्मण, हनुमान, सुग्रीव और विभीषण को उनकी क्षमता के मुताबिक जिम्मेदारियां सौंपीं। कॉर्पोरेट टीम लीडरशिप के लिए अपने साथियों की अधिकतम क्षमताओं का प्रयोग करने के लिए कार्य विभाजन हर हाल में आना चाहिए।

रणनीति प्रबंधनः कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के लिए मजबूत नेटवर्किंग और सही साझेदारों की पहचान बहुत जरूरी होती है। आज के युवा सफलता का यह जरूरी गुण भगवान राम से सीख सकते हैं। भगवान राम ने हमेशा सही लोगों से मजबूत और विश्वसनीय संबंध बनाए। उन्होंने रावण से युद्ध के लिए सुग्रीव, हनुमान और विभीषण जैसे सहयोगियों की न केवल मदद ली बल्कि उस मदद को अधिकतम उपयोगी बनाने के लिए सटीक तौर पर रणनीतिक प्रबंधन का सहारा लिया।

धैर्य और आत्मविश्वासः जीवन का कोई भी क्षेत्र हो, सफलता के लिए धैर्य और आत्मविश्वास जरूरी है। खासकर जो आज के युवा स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं, उन्हें जिस तरह की बाजार प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ता है, उसमें धैर्य और आत्मविश्वास की महती जरूरत होती है। जिस तरह भगवान राम ने कभी भी धैर्य और आत्मविश्वास का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने अपने जीवन में कोई भी निर्णय जल्दबाजी में नहीं लिया। हर कदम को उठाने के पहले धैर्य से काम लिया। लंका पर भी आनन-फानन में हमला नहीं किया। रावण के हर कदम को अच्छी तरह से समझने के बाद ही उन्होंने युद्ध का ऐलान किया। आज के स्टार्टअप्स कल्चर में भी धैर्य और आत्मविश्वास की बहुत जरूरत पड़ती है।

अनुशासनः अनुशासन एक ऐसा गुण है, जो करियर में सफलता की चाह रखने वाले युवाओं में अनिवार्य रूप से होना चाहिए। जैसे भगवान राम ने 14 साल के वनवास को पूरे अनुशासन के साथ पूरा किया। युवाओं को भी भगवान राम की तरह ही अपने कर्म के प्रति अनुशासित रहना चाहिए।

समस्या समाधान की क्षमताः कोई भी कॉर्पोरेट दिग्गज अपने फील्ड में तभी सफलता हासिल कर पाता है, जब उसके पास यूनिक आइडियाज और स्मार्ट प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल हो। युवा, भगवान राम से इनोवेशन की महत्ता और समस्या के समाधान की विशिष्टता सीख सकते हैं।

नैतिकता और ईमानदारीः जमाना कोई भी हो, क्षेत्र कोई भी हो, बिना नैतिकता और ईमानदारी के किसी भी क्षेत्र में सफलता नहीं मिलती। कॉर्पोरेट क्षेत्र में सफलता के लिए युवाओं को इस मामले में भी भगवान राम से एक बड़ी सीख मिलती है, वह यह कि सफलता के लिए कभी भी अनैतिक और गैरईमानदार नहीं होना चाहिए। भगवान राम ने सदैव धर्म का पालन किया, ईमानदारी का मार्ग अपनाया इसलिए कभी भी वह सफलता से वंचित नहीं रहे। *

आप अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को मेंटेन करने के लिए तो कई एफर्ट करते हैं। लेकिन क्या अपनी सोशल हेल्थ पर भी पूरा ध्यान देते हैं? कैसे रहें सोशली हेल्दी, जानिए।

इन रूल्स को करें फॉलो
आप रहेंगे सोशली हेल्दी

लाइफस्टाइल

अंजू जैन

बहुत कम लोगों को पता है कि तन और मन के स्वास्थ्य के लिए सामाजिक, पारिवारिक रिश्ते और संपर्क बनाए रखना जरूरी होता है। ऐसा न करने से लोग हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हार्ट डिजीज, स्ट्रेस और डिप्रेशन जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं।

क्या है सोशल हेल्थः हमारा सोशल सर्किल कैसा है, हमें मुसीबत में देखकर कितने लोग मदद का हाथ बढ़ाते हैं, दुःख-सुख में हमारे पास बैठकर बातें करने वाले कितने लोग हमारे संपर्क में हैं, हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा और लोगों के साथ बॉन्डिंग कैसी है? यह सब निर्भर करता है, हमारी सोशल हेल्थ पर। सामाजिक स्वास्थ्य को दूसरों के साथ बातचीत करने और रिलेशन बनाने की क्षमता के रूप में डिफाइन किया जा सकता है।

सोशल हेल्थ का महत्वः सोशल हेल्थ का अच्छा स्तर बनाए रखने से आप दूसरों के साथ अच्छे संबंध बना सकते हैं। इन रिश्तों में दोस्ती, पारिवारिक और प्रोफेशनल रिश्ते शामिल हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि वीक सोशल हेल्थ वाले लोगों में स्ट्रोक का खतरा 32%, मेंटल प्रॉब्लम्स का खतरा 50% और समय से पहले मृत्यु का खतरा 29% बढ़ जाता है। बीते कुछ सालों में विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि सामाजिक संबंधों की गुणवत्ता और इनके लेवल दोनों का हमारे जीवन पर टेंपररी और परमानेंट प्रभाव पड़ता है।

सोशली हेल्दी होने के लक्षणः अगर आप मधुर, प्रभावी ढंग से बातचीत करते हैं, अपने सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन को संतुलित रखते हैं, वर्क प्लेस, सोसाइटी और अपने परिवार में लोगों के साथ जुड़े रहते हैं, सामाजिक परिस्थितियों में खुद को इंवॉल्व कर लेते हैं, दूसरों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करते हैं, मित्रता और सोशल नेटवर्क विकसित करने और बनाए रखने में सक्षम हैं तो इसका अर्थ होगा कि आप सोशली हेल्दी हैं।

ऐसे रहेंगे सोशली हेल्दीः सोशली हेल्दी रहने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

- टॉक्सिक रिलेशंस से बचें क्योंकि कोई रिलेशन जब टॉक्सिक हो जाता है तो वह कभी भी आपकी आर्थिक, मानसिक या शारीरिक सेहत के लिए सही नहीं होगा।
- अपना सोशल नेटवर्क बढ़ाने, लोगों के साथ बॉन्डिंग बढ़ाने के लिए धार्मिक और सामाजिक समूह का हिस्सा बन सकते हैं। इससे आप लोगों से जुड़ते हैं। ये संबंध आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देते हैं।
- अपने रिश्तों को पोषित करने के लिए, दोस्ती को बनाए रखने के लिए हमेशा प्रयास करते रहें। यह आपके सामाजिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत अच्छा है। रिश्ते को मधुर बनाने के लिए दोनों तरफ से प्रयास की जरूरत होती है।

- अच्छी सोशल हेल्थ के लिए दूसरों में कमियां न निकालें, उनकी आलोचना न करें। एक समझदार व्यक्ति की तरह स्वीकार करें कि हर किसी को अपना जीवन अपने मन से अलग तरीके से जीने का अधिकार है। आपको यह भी मानना चाहिए कि आप हमेशा सही नहीं होते, इसलिए ऐसा व्यवहार न करें जैसे आप ही सही हैं।
- किसी से कोई मतभेद हो या समस्या हो तो बिना क्रोध या दोषारोपण के किसी समस्या के बारे में बात करें। यह सम्मानजनक संबंध बनाए रखने में मदद करता है, जो आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देता है।
- दुनिया में हर कोई महत्वपूर्ण महसूस करना चाहता है। इसलिए अपने मित्रों, सहयोगियों और परिवार के सदस्यों की सराहना करने में कंजूसी न करें। इससे आपका सामाजिक स्वास्थ्य मजबूत होगा।
- हर कोई चाहता है कि उसकी बात ध्यान से सुनी जाए। इसलिए किसी को इग्नोर न करें, ध्यान से दूसरों की बातों को सुनें। उचित हो तभी प्रतिक्रिया दें। इन बातों का ध्यान रखने से आपकी सोशल हेल्थ अच्छी रहेगी। *

(मनोविज्ञानी डॉ. रूपा तालुकदार से बातचीत पर आधारित)

खास मुलाकात

आरती सक्सेना

ईद के मौके पर दर्शकों को सलमान खान की नई फिल्म का इंतजार रहता है। इस बार भी उन्होंने अपने फैंस को निराश नहीं किया। दर्शकों को ईद का तोहफा फिल्म 'सिकंदर' के रूप में मिला। एक खास मुलाकात में इस फिल्म के एक्सपीरियंस, इसके बिजनेस को लेकर सलमान खान ने खुलकर बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा नहीं सोचता : सलमान खान

सलमान खान बॉलीवुड के उन चुनिंदा एक्टरों में से एक हैं, जो लगभग साढ़े तीन दशक से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं। बीते 30 मार्च को ईद के अवसर पर उनकी नई फिल्म 'सिकंदर' रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके अपोजिट हैं, साउथ की स्टार 'नेशनल क्रश' कही जाने वालीं रश्मिका मंदाना। फिल्म को डायरेक्ट किया है फिल्म 'गजनी' फेम डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस ने। फिल्म 'सिकंदर' को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें, तो इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह फिल्म वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी है और अभी भी दर्शकों में इसे देखने को लेकर क्रेज बना हुआ है। इस फिल्म से जुड़े कुछ सवालों के जवाब सलमान खान ने दिए इस बातचीत में।

आपकी फिल्म 'सिकंदर' हाल में ईद पर रिलीज हुई है। इससे पहले भी आपकी कई फिल्में ईद के मौके पर रिलीज होती रही हैं। ईद पर ही फिल्म रिलीज करने की कोई खास वजह?

ईद पर फिल्म रिलीज करने के पीछे एक वजह तो यह है कि इस दिन लोगों की छुट्टी होती है और दर्शक थिएटर तक फिल्म देखने आ सकते हैं। दूसरी वजह है कि त्योहार का खुशनुमा माहौल और पॉजिटिव वाइब्स फिल्म के लिए फायदेमंद साबित होती हैं। मुझे त्योहार मनाना अच्छा लगता है फिर चाहे वह ईद हो या दिवाली। इसी दौरान अगर मेरी फिल्म रिलीज होती है तो और अच्छा लगता है।

फिल्म 'सिकंदर' के एक सीन में सलमान खान

फिल्म के डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत ही अच्छा! उनका काम करने का तरीका बहुत यूनिक है। मैं उनके काम से बहुत प्रभावित हूं। फिल्म देखकर आपको पता चलेगा कि 'सिकंदर' के लिए उन्होंने कितनी मेहनत की है। इससे पहले भी उन्होंने जो फिल्में बनाई हैं, उसमें उनका काम बोलता है। फिर चाहे वह आमिर खान की फिल्म 'गजनी' हो या उनकी डायरेक्टेड साउथ की फिल्में हों।

'सिकंदर' में रश्मिका मंदाना के साथ रोमांटिक जोड़ी बनाने को लेकर, उम्र के फर्क को लेकर आप पर बहुत कमेंट किए गए। इस पर आप क्या कहना चाहेंगे?

हां, मैंने भी लोगों से सुना है कि रश्मिका मुझसे आधी उम्र की है, मुझे उसके साथ जोड़ी नहीं बनानी चाहिए थी, हमारी जोड़ी उम्र के गैप की वजह से सही नहीं लग रही है। ऐसे लोगों के लिए मैं यही कहना चाहूंगा कि जब हीरोइन को मेरे साथ जोड़ी बनाने में कोई फर्क नहीं पड़ता, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, तो हमारी जोड़ी से लोगों को क्या प्रॉब्लम है? हमारी जोड़ी फिल्म के लिए है, फिल्म की कहानी के हिसाब से है। अच्छी है या बुरी है, यह तो दर्शक तय करेंगे न।

'सिकंदर' को रिलीज हुए एक सप्ताह ही हुआ है और फिल्म ने वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसे में आपको इस फिल्म से आगे क्या उम्मीदें हैं?

हर कलाकार चाहता है कि उसकी फिल्म अच्छा बिजनेस करे। वैसे बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा सोचता नहीं हूं। मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता हूं और एक बार काम खत्म हो गया, तो सारी टेंशन छोड़ देता हूं। वैसे पर्सनली मैं अगर बात करूं, तो फिल्म अच्छी बनी है। मेरे पिताजी ने भी फिल्म देखी है। उन्होंने भी 'सिकंदर' की तारीफ की है। उन्हें भी फिल्म अच्छी लगी है।

'सिकंदर' की रिलीज के तीन दिन पहले मोहनलाल की 'एल2 एंपुरान' रिलीज हुई थी और अब सनी देओल की फिल्म 'जाट' रिलीज होने वाली है। इन फिल्मों की वजह से 'सिकंदर' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर क्या कोई इफेक्ट पड़ेगा?

'एल2 एंपुरान' को पृथ्वीराज सुकुमारन ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म के एक्टर मोहनलाल सर को एक अभिनेता के तौर पर मैं बहुत पसंद करता हूं। मुझे पक्का यकीन है कि यह एक बेहतरीन फिल्म होगी। जहां तक 'जाट' का सवाल है तो वह सनी प्राजी की फिल्म है। मोहनलाल और सनी देओल दोनों से ही से मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं। आपस में कैसा टकराव? मैं तो चाहता हूं कि हम सभी की फिल्में अच्छी चलें। हम सभी अपना काम ईमानदारी से कर रहे हैं। तो उसका अच्छा फल ही मिलेगा। *

मेरे पिता हैं रियल लाइफ सिकंदर

इस फिल्म में तो सलमान खान सिकंदर का रोल निभा रहे हैं। लेकिन रियल लाइफ सिकंदर वे किसे मानते हैं? इसके जवाब में सलमान कहते हैं, 'मेरे जीवन में सिकंदर तो एक ही हैं और वह हैं- मेरे पिता सलीम खान। वह आज जो भी हैं, अपने दम पर हैं। मेरे वालिद (पिता) का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उनको कुछ भी नहीं मालूम था कि ग्लैमर वर्ल्ड में अपने आपको कैसे स्थापित करना है। अपने टैलेंट और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने इंडस्ट्री में अपना एक अलग मुकाम बनाया। उन्होंने सिर्फ अपने आपको ही नहीं हमारे पूरे परिवार को अपने अकेले दम पर संभाला और सभी को एक मुकम्मल मुकाम दिया। इसलिए मेरी नजर में असली सिकंदर वही हैं।